यूनिट 1

चैंपियन्स

आत्मा के फल से

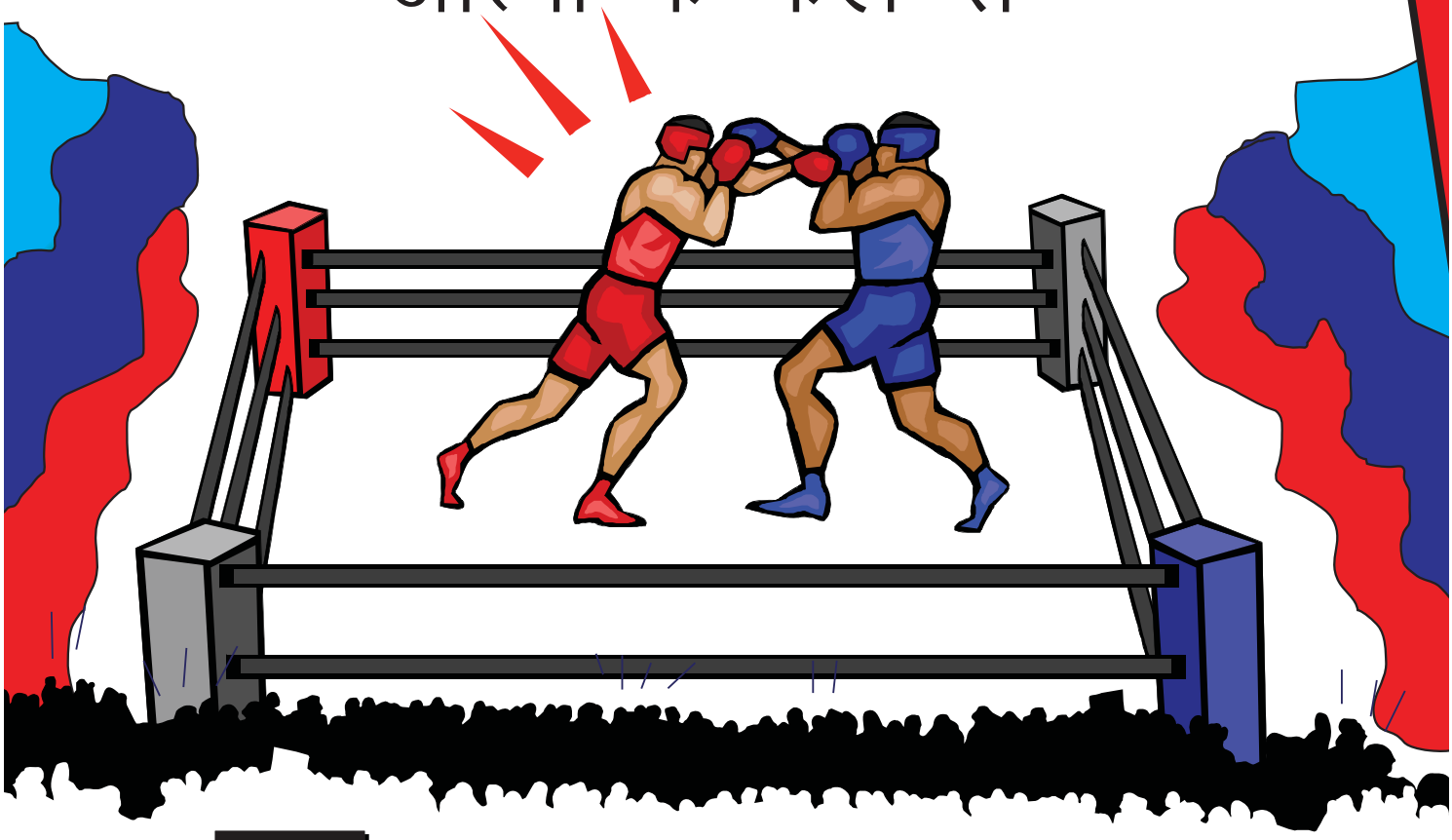

अध्यापकों की पुस्तक

हर उम्र के लिए (4–15 तक की आयु)

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

प्रिय शिक्षकों,

हम प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर आपको आशीष दें जबकि आप उसकी सेवा करते और बच्चों के बीच पूरी दुनिया में सेवकाई करते हो। आप एक बदलाव ला रहे हो, साथ ही अनंतता के लिए जीवन परिवर्तित भी कर रहे हो!

हमारे पास आपके लिए एक सरप्राईज़ है। आप सोचते होंगे कि आप केवल एक संडे स्कूल शिक्षक होने के लिए चुने गये हो, लेकिन अब आपके काम का ब्यौरा बदलकर अब आप एक 'कोच' (अनुशिक्षक) बन गये हो! यह बिल्कुल सही है, इस साल हम बाइबल को एक 'मुक्केबाजी' के शीर्षक के अंतर्गत पढ़ेंगे और साथ ही खेल के साथ कुछ मनोरंजन भी करने की आशा करते हैं। प्रिय शिक्षक, आप अभी से शुरू करें! आप एक शिक्षक के बजाय एक अनुशिक्षक (कोच) बनें, और यह आपको अपनी कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी के विषय में गहराई से ध्यान देने और उनके चैंपियन बनने के संघर्ष की प्रगति में उनकी मदद करने के लिए प्रेरित करेगा।

हम इस वर्ष आत्मा के फल के विषय में पढ़ेंगे। हालांकि, हम केवल फल को ही नहीं देखेंगे, लेकिन हमारी देह के उन सभी पापों को भी देखेंगे जो कि आत्मा के फल के विरोध में लड़ते रहते हैं। आपका लक्ष्य है कि आप अपने विद्यार्थियों को चैंपियन बनने में मदद करें। ऐसा करने के लिए, उन्हें न केवल अपने याद करने की आयत को और बाइबल कहानियों को सीखना होगा, बल्कि उन्हें आत्मा के फल को अपने दैनिक जीवन में भी अमल करने की आवश्यकता होगी।

बॉक्सिंग या मुक्केबाजी के विषय का उपयोग करते हुए, जब आपके विद्यार्थी आपके संडे स्कूल की कक्षा में होंगे, तब हम ऐसी कल्पना करें कि वे किसी प्रशिक्षण में हैं। वे परिश्रम कर रहे हैं, और परमेश्वर के बारे में और पाप के विरूद्ध लड़ाई के विषय में अधिक सीख रहे हैं। इसलिए आपकी कलीसिया उनके लिए प्रशिक्षण स्थल है।

जब आपके विद्यार्थी इस संसार में होते हैं, तब वास्तव में वे सभी ''एक बॉक्सिंग रिंग'' के अंदर होते हैं! यहीं पर वे वास्तव में अपने स्वयं के पापमय इच्छाओं के विरूद्ध संघर्ष करते हैं। उनका घर और स्कूल, इसलिए, वास्तव में उनके प्रतियोगी होते हैं और मुक्केबाजी का मैच होता है। ऐसा इसलिए होता है कि कलीसिया में, हम सब दिखावा करने में निपुण होते हैं और सही जवाब भी देते हैं। कृपया कोई भी बच्चा यह कभी न सोचें कि कलीसिया में आयत याद करके या सीखके उसने वह मैच जीत लिया है। वह केवल प्रशिक्षण मात्र ही है। जबकि वास्तविक प्रतियोगिता उनके जीवन में ही है। वे यदि उस सप्ताह सिखाये गये पाठों को व्यवहारिक रूप से अपने जीवन में अमल करेंगे तो निश्चित रूप से वह मैच को जीत सकते हैं।

एक अनुशिक्षक होने के नाते आपका अंतिम कार्य होना चाहिए कि आप उन्हें पुरस्कृत करें और विजय हासिल करने पर उन्हें उत्साहित करें। कुछ पुरस्कारों को तैयार करों जो कि आप उन्हें जीतने पर प्रदान कर सको। उन्हें अपने गले से लगाओ या हर ''पंच'', राउंड या मैच के जीतने पर एक विशेष आवाज़ के साथ उनका उत्साह बढ़ाएं। उनके अनुशिक्षक होने के नाते, जो व्यवहार आप प्रदान करोगे वही व्यवहार आपको भी प्राप्त होगा जबकि बच्चे आपको प्रसन्न करने का प्रयास करेंगे।

हम आशा करते हैं कि एक अनुशिक्षक के रूप में अपने आप को तैयार पाकर आपको काफी अच्छा लगेगा, जहां पर आप अपनी कक्षा को एक खेल प्रशिक्षण केंद्र में सजा पाओगे, और कुछ मजेदार पुरस्कार प्रदान करने का समारोह भी कर पाओगे। आत्मा के फल के अनुसार जीने में सफलता ठीक वैसे ही मिलती है जैसे कि किसी खेल में मिलती है, और ठीक उनकी तरह जो दूसरों के मुकाबले कड़ी मेहनत करने के इच्छुक होते हैं। आप अपने विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करने और चैंपियन बनने के लिए उत्साहित कर सकते हो। आप केवल उन पर विश्वास रखें जब कोई दूसरा ऐसा नहीं कर पा रहा है, और परमेश्वर को उनके जीवन में चमत्कार करते हुए देख सकते हो!

हमारा प्रभु परमेश्वर आपको प्रेरित करें, जबकि आप अपने विद्यार्थियों को इस आत्मा के फल के विषय में अनुशिक्षित करने की चुनौती को स्वीकार करते हो। हम प्रार्थना करते हैं कि आप संडे स्कूल शिक्षकों की सीमाओं से बाहर निकलकर, अपने विद्यार्थियों के जीवन में एक वास्तविक कोच बन सको!

मसीह में,
बहन क्रिस्टीना

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

विषय सूची

परिचय - 1
क्रेडिट्स - 2
अवलोकन - 3
इस सामग्री का उपयोग कैसे करें - - - - - - - - - - - - - - 5

प्रेम
पाठ 1 - 9
पाठ 2 - 11
पाठ 3 - 13
पाठ 4 - 15
पाठ 5 - 17

आनन्द
पाठ 6 - 19
पाठ 7 - 21
पाठ 8 - 23
पाठ 9 - 25

मेल
पाठ 10 - 27
पाठ 11 - 29
पाठ 12 - 31
पाठ 13 - 33

यूनिट 2: धीरज
कृपा
भलाई

यूनिट 3: विश्वास
नम्रता
संयम

बच्चें महत्वपूर्ण है

बच्चें महत्वपूर्ण हैं

www.ChildrenAreImportant.com

"Champions" – "बच्चें महत्वपूर्ण हैं" द्वारा सभी अधिकार सुरक्षित। हमारे सामग्री डाउनलोड, उपयोग, मुद्रण और अन्य चर्च और संगठनों मे वितरण के लिए मुफ्त है।

अधिक जानकारी के लिए हमसे संपर्क करें :
info@ChildrenAreImportant.com or 01-52-592-924-9041

सभी आयतें एनआईवी से और हिंदी बीएसआई से ली गई है।

पूरी टीम को धन्यवाद!

Editor: Kristina Krauss
Creative Team of CAI: Blessy Jacob, Dwight Krauss, Jacob Kuruvilla, Jetender Singh, Marcos, Mike Kangas, Prajwal Sharma, Rubén Darío, Suki Kangas, Verónica Toj, and Vickie Kangas.
मैक्सिको में छपी।

चैंपियंस

यूनिट 1

1 प्यार–बनाम–स्वार्थता

बाइबल की कहानीः यीशु क्रूस पर मरते हैं

मत्ती 27: 27–56

याद करने की आयतः

हम ने प्रेम इसी से जाना, कि उस ने हमारे अपने प्राण दे दिए; और हमें भी भाइयों के लिये प्राण देना चाहिए।

1 यूहन्ना 3:16

2 प्यार–बनाम–न्यायी रवैया

बाइबल की कहानीः तिनका और लट्ठा

मत्ती 7: 1–5

याद करने की आयतः

दोष मत लगाओ, कि तुम पर भी दोष न लगाया जाए। क्योंकि जिस प्रकार तुम दोष लगाते हो, उसी प्रकार तुम पर भी दोष लगाया जाएगा; और जिस नाप से तुम नापते हो, उसी से तुम्हारे लिये भी नापा जाएगा।

मत्ती 7:1–2

3 प्यार–बनाम–घृणा

बाइबल की कहानीः यहूदा यीशु को पकड़वाता है

मत्ती 26: 14–16

याद करने की आयतः

यदि कोई कहे, कि मैं परमेश्वर से प्रेम रखता हूं; और अपने भाई से बैर रखे; तो वह झूठा है: क्योंकि जो अपने भाई से, जिस उस ने देखा है, प्रेम नहीं रखता, तो वह परमेश्वर से भी जिसे उस ने नहीं देखा, प्रेम नहीं रख सकता।

1 यूहन्ना 4:20

फ्र

4 प्यार–बनाम–स्व धार्मिकता

बाइबल की कहानीः अच्छे सामरी का दृष्टान्त

लूका 10: 25–37

याद करने की आयतः

उस ने उत्तर दिया, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी शक्ति और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख; और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।

लूका 10:27

5 प्यार–बनाम–आत्मिक घमंड़

बाइबल की कहानीः दाऊद राजा होने के लिए चुना गया

1 शमूएल 16:1–13

याद करने की आयतः

प्रेम धीरजवन्त है, और कृपाल है; प्रेम डाल नहीं करता; प्रेम अपनी बड़ाई नहीं करता, और फूलता नहीं। वह अनरीति नहीं चलता, वह अपनी भलाई नहीं चाहता, झुंझलाता नहीं, बुरा नहीं मानता। कुकर्म से आनन्दित नहीं होता, परन्तु सन्य से आनन्दित होता है। वह सब बातें सह लेता है, सब बातों की प्रतीति करता है, सब बातों की आशा रखता है, सब बातों में धीरज धरता है।1 कुरिन्थियों 13 : 4–7

यूनिट 1: आत्मा का फल

"पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, और कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता, और संयम हैं; ऐसे ऐसे कामों के विरोध में कोई व्यवस्था नहीं।" गलातियों 5:22–23

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

आनन्द

6 आनन्द–बनाम–ईर्ष्या

बाइबल की कहानी: धार्मिक नेताओं ईर्ष्यालु होते हैं
प्रेरितों के काम 5:12–33

याद करने की आयत:
क्योंकि अब तक शारीरिक हो, इसलिये, कि जब तुम में डाह और झगड़ा है, तो क्या तुम शारीरिक नहीं? और मनुष्य की रीति पर नहीं चलते?
1 कुरिन्थियों 3:3

7 आनन्द–बनाम–लालच

बाइबल की कहानी: धनवान नौजवान
मत्ती 19: 16–30

याद करने की आयत:
और उस ने उन से कहा, चौकस रहो, और हर प्रकार के लोभ से अपने आप को बचाए रखो: क्योंकि किसी का जीवन उस की संपत्ति की बहुतायत से नहीं होता।
लूका 12:15

8 आनन्द–बनाम–आत्मदया

बाइबल की कहानी: योना और कीड़ा
योना 4:1–10

याद करने की आयत:
क्योंकि हमारा पल भर का हल्का सा क्लेश हमारे लिये बहुत ही महत्वपूर्ण और अनन्त जीवन महिमा उत्पन्न करता जाता है। और हम तो देखी हुई वस्तुओं को नहीं परन्तु अनदेखी वस्तुओं को देखते रहते हैं, क्योंकि देखी हुई वस्तुएं थोड़े ही दिन की हैं, परन्तु अनदेखी वस्तुएं सदा बनी रहती हैं।
2 कुरिन्थियों 4:17–18

9 आनन्द–बनाम–आभारहीनता

बाइबल की कहानी: यीशु ने 10 कुष्ठ रोगियों को चंगा किया
लूका 17: 11–19

याद करने की आयत:
उसके फाटकों से धन्यवाद, और उसके आंगनों में स्तुति करते हुए प्रवेश करो, उसका धन्यवाद करो, और उसके नाम को धन्य कहो!
भजन 100:4

मेल

10 शांति–बनाम–चिंता

बाइबल की कहानी: एल्लियाह कौवों द्वारा खिलाया गया
1 राजा 17: 1–6

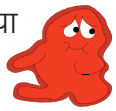

याद करने की आयत:
इसलिये पहिले तुम उसे राज्य और धर्म की खोज करो तो ये सब वस्तुएं तुम्हें मिल जाएंगी।
मत्ती 6:33

11 शांति–बनाम–डर

बाइबल की कहानी: पतरस पानी पर चलता है
मत्ती 14:22–33

याद करने की आयत:
उस ने उन से कहा, अपने विश्वास की घटी के कारण: क्योंकि मैं तुम से सच कहता हूं, यदि तुम्हारा विश्वास राई के दाने के बराबर भी हो, तो इसे पहाड़ से कह सकोगे, कि यहां से सरककर वहां चला जा, तो वह चला जाएगा; और कोई बात तुम्हारे लिये अन्होनी न होगी। मत्ती 17:20

12 शांति–बनाम–कलह

बाइबल की कहानी: दूसरा गाल भी दिखायें
मत्ती 5:38–42

याद करने की आयत:
जहां तक हो सके, तुम अपने भरसक सब मनुष्यों के साथ मेल मिलाप रखो।
रोमियों 12:18

13 शांति–बनाम–आत्मविश्वास

बाइबल की कहानी: यीशु ने 5000 लोगों को खिलाया
लूका 9:10–17

याद करने की आयत:
और उस ने मुझ से कहा, मेरा अनुग्रह तेरे लिये बहुत है; क्योंकि मेरी सामर्थ निर्बलता में सिद्ध होती है; इसलिये मैं बड़े आनन्द से अपनी निर्बलताओं पर घमण्ड करूंगा, कि मसीह की सामर्थ मुझ पर छाया करती रहे। 2 कुरिन्थियों 12:9

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

इस सामग्री का उपयोग कैसे करें

संगीत

अपनी कक्षा का आरंभ नए गीतों को गाते हुए और सभी जन उन गानों के अनुसार एक्शन करते हुए करें। गानों को हमारे वेबसाइट से डाउनलोड़ करें, और वीडियों में दिखाए गये एक्शन या कोरियोग्राफी के अनुसार मुद्राएं सीखें।

मुख्य पाठ

पाठ का परिचय देने के बाद, आप बाइबल कहानी की ओर बढ़ें। कृपया बाइबल की आयतों को देखें ताकि पूरी बाइबल कहानी को समझ सके, क्योंकि इसे पूरी तरह से इस पुस्तिका में छापा नहीं गया है। बाइबल कहानी को सीखने के बाद, इस बात का यकीन कर लें कि आप मुख्य पाठ को जीवन में अमलीकरण के साथ जोड़ सकें। पाठ के अंत में, याद करने की आयत को पढ़ें और अपने विद्यार्थियों के साथ प्रार्थना करें।

नाटक

हर हफ्ते एक मनोरंजक नाटक को प्रस्तुत करें, जिसमें दो अभिनेता होंगे जो दो अलग व्यक्तित्वों को प्रस्तुत करेंगेः बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी। (आप चाहे तो उनका नाम बदल भी सकते हो)। पाठ की समीक्षा करें, और नाटक के विचार को व्यक्त करते हुए पाठ के अमलीकरण के साथ मिलाएं और बच्चों की आंखों को खोलें और उन्हें स्वयं बाइबल की कहानी को देखने में मदद करें। उन दोनों अभिनेताओं को हर हफ्ते इस्तेमाल करने से उस नाटक को जीवन के साथ बेहतर तरीके से जोड़ सकते हैं, और उस साल को मनोरंजक बना सकते हैं जब वे उन बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी के चरित्र को अधिक जानेंगे। उनके लिए ऐसे वस्त्र बनाओ जिसे आसानी से चर्च में छोड़ा जा सके और जल्दी से पहना जा सके। (जैसे कि एक टोपी या एक चश्मा आदि)

छात्र पुस्तकें

छात्र पुस्तकें या हर पाठ के पन्ने की फोटोकॉपी लेकर हर विद्यार्थी को दें। जिन विद्यार्थियों को पहेली बुझाने में कठिनाई हो रही है उनकी मदद करो, क्योंकि संडे स्कूल किताबें मुश्किल नहीं होनी चाहिए, बल्कि मजेदार होनी चाहिए। आप बच्चों को अपने पन्नों पर चीजों को चिपकाने के लिए भी दे सकते हो। छोटे बच्चों के लिए, रंगीन पन्ने पर सजाने के लिए सजावट की चीज़ें दे सकते हो, जैसे चावल के दाने, रूई के गेंद, नूडल, या रंगीन पैंसिल। बड़े बच्चों के लिए, उनकी किताबें डायरी की तरह हो सकती है, जिस पर टिकट, सिक्के, बुकमार्क या कुछ अन्य चीज़ रख सकते हैं जो उन्हें उनके गृहकार्य की याद दिलाएगी।

गृहकार्य (रिंग के अंदर)

पिछले हफ्ते के गृहकार्य पर चर्चा करें, और अपने विद्यार्थियों को अगले हफ्ते का गृहकार्य दें। वे सब छात्र पुस्तकों और मैच कार्डों में दिए गये हैं। अपने छात्रों को याद दिलायें कि जो अपने गृहकार्यों को करते हैं केवल वे ही चैंपियन बन सकते हैं। हममें से कोई भी केवल चर्च जाके या बाइबल की आयतों को याद करके चैंपियन नहीं बन सकता, लेकिन इसके अनुसार जीके कर सकते हैं! हम सिफारिश करते हैं कि छोटे समूह बनाये जाएं जिसमें कोच विद्यार्थियों के गृहकार्यों पर नज़र रखकर उनकी मदद कर सके। (अधिक जानकारी के लिए छोटे समूह भाग में देखें)

हफ्ते के दौरान एक ही बार उन गृहकार्यों को करने से कोई भी उस पाप को ''नॉकआउट'' नहीं कर सकता, जैसे कि केवल एक पंच से कोई भी अपने विरोधी को बॉक्सिंग में हरा नहीं सकता। इस सिद्धांत का इस्तेमाल करते हुए विद्यार्थियों को यह दिखाने में मदद मिलेगी कि यदि वे वास्तव में एक चैंपियन बनना चाहते हैं, तो उन्हें हफ्ते के दौरान और भी ''पंच मारने'' होंगे। आपके अनुशिक्षकों को इस बात पर नज़र रखने को कहो कि उस हफ्ते के दौरान उन्होंने कितने ''पंच'' प्राप्त किए और प्रतियोगिता को प्रोत्साहित करते रहो। हर ''पंच'' एक वह मौका होता है जहां पर उन्होंने उस हफ्ते के दौरान गृहकार्य किया। उन ''पंचों'' को ज्यादा मजेदार बनाने के लिए, इन चार तरीके के ''पंच'' का इस्तेमाल करोः जॉब, हुक, क्रोस और अपरकट।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

कार्यक्रम अनुसूची

1. संगीत
2. नाटक

30 मिनट

3. मुख्य पाठ
4. छात्र पुस्तकें

30 मिनट

5. गृहकार्य
6. आयत याद करने के खेल

30 मिनट

7. सवाल और जवाब
8. उपस्थिति रिवार्ड कार्ड

30 मिनट

याद करने की आयत का खेल

इस कार्यक्रम के सारे खेल उस हफ्ते के याद करने की आयत को सीखने के अनुसार बनाए गये हैं। दिए गये खेलों का इस्तेमाल करो, या आपके विद्यार्थियों को हर हफ्ते उनका पसंदीदा खेल चुनने की अनुमति दो। समय से पहले उस खेल के लिए आवश्यक सामग्रियों को तैयार कर लो।

प्रश्नोत्तर (बड़े विद्यार्थियों के लिए)

हर पाठ में तीन प्रश्न दिए गये हैं ताकि आप अपने विद्यार्थियों के साथ चर्चा कर सकें। वे प्रश्न खासकर किशोरों के लिए हैं (उम्र 13–15 के लिए), लेकिन आप उन्हें अन्य उम्र के बच्चों के साथ भी बांट सकते हो और उनके विचार जान सकते हो। विचार यह है कि आपके विद्यार्थी इन विषयों पर सोचें। इसे फायदेमंद बनाने के लिए, यह काफी महत्वपूर्ण है कि आप शीघ्र ही इन प्रश्नों का उत्तर न दें। जितना ज्यादा वे उस विषय पर संघर्ष करेंगे, उतना ज्यादा वे उस विषय पर सोचेंगे, और आप भी एक शिक्षक होने के नाते बेहतर कर सकोगे। अगर वे किसी विषय पर वास्तविक मौकिक विवाद करने लगे, तो समझिए कि आप अच्छा कर रहे हैं! यदि आपके विद्यार्थी किसी विवाद में जल्दी से शांत हो जाते हैं, तो अन्य तरफ के बच्चों को शामिल करो और उन्हें सोचने और बोलने दो।

रिंग के अंदर

आत्मिक वरदानों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें : जैसे कि शारीरिक सौंदर्य, संपत्ति और आपके परिवार के लिए। परमेश्वर से मांगें कि वह आपको उन चीज़ों में खुश और संतुष्ट रहने में मदद करें जो आपके पास हैं। किसी ऐसे जन को चुनों जिनसे आप ईर्ष्या रखते थे और जाकर उन्हें एक छोटा उपहार दें। (अपनी पुरानी ईर्ष्या के बारें में उसे न बतायें)।

उपस्थिति रिवार्ड कार्ड

उपस्थिति रिवार्ड सबको बांटें, एक ऐसा कार्ड जिसमें उस हफ्ते के मैच का विवरण हो। अपने विद्यार्थियों को पूरे साल उपस्थित रहने के लिए प्रोत्साहित करो, और सभी कार्डों को इकट्ठा करो! ये कार्ड काफी कम खर्चे पर डाउनलोड और प्रिंट करने के लिए उपलब्ध है। आप इन कार्डों का इस्तेमाल हर गृहकार्य को एक पाप के साथ मिलाकर एक यादाश्त खेल के लिए भी कर सकते हो।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

कोच

छोटे समूह

3–7 बच्चों की छोटे समूह बनाओं। हर छोटे समूह में एक कोच की आवश्यकता होती है। कोच को हर हफ्ते कक्षा में शामिल होने की आवश्यकता नहीं होती लेकिन हर हफ्ते विद्यार्थियों या ''खिलाड़ियों'' के साथ एक बार अवश्य अंदर जाएं। अपने मुख्य अगुवों में से अन्य अनुशिक्षकों को संगठित करने और प्रेरित करने के लिए किसी एक को मुख्य कोच चुनें। अपनी कक्षा को छोटे समूहों में बांटों ताकि आपके विद्यार्थियों को आप वास्तव में उनके गृहकार्यों को करने में मदद कर सको। अधिकतर संडे स्कूल कार्यक्रम कलीसिया में होता है, और घर में जाकर करने के लिए कुछ नहीं होता। हालांकि, आपके विद्यार्थी अपने जीवन में से इनके बारे में सीखकर पाप को ''नॉकआउट'' नहीं कर सकते। उन्हें वास्तव में ''रिंग के अंदर'' आना होगा और वास्तविक पाप से लड़ना होगा जिनका सामना वे उस हफ्ते के दौरान करते हैं। वास्तव में, जब तक कोई उन पर निगरानी नहीं रखेगा, तो इसे करना लगभग असंभव है। कृपया उनके ''शब्दों पर विश्वास'' न करें और न ही स्वीकारें जब विद्यार्थी आपसे कहते हैं कि उन्होंने गृहकार्य कर लिया है। अगर आप इस कार्यक्रम के प्रति गंभीर नहीं रहेंगे, तो आप अपने विद्यार्थियों को झूठ बोलने का प्रशिक्षण दे रहे हो। जबकि, जरा मेरे साथ कल्पना कीजिए कि अगर आप वाकई में अपने विद्यार्थियों को अनुशिक्षित कर सकते हो, और साथ ही इस बात पर भी नज़र रखते हो कि वे अपना गृहकार्य कर रहे हैं, तो आप उनके जीवन में सच्चे परिवर्तन को देख सकते हो। केवल एक साल में ही, आप उनका जीवन पूरी तरह से बदल सकते हो! आपके विद्यार्थी आत्मा के फल को याद नहीं कर रहे होंगे, बल्कि वास्तव में उसे जीना सीख रहे होंगे! इन छोटे समूहों को सिखाने के लिए, हमने आपके अनुशिक्षकों के लिए पत्रियां और आपके मुख्य कोच के लिए एक पुस्तक तैयार की है। कोच की पत्रियां हर महीने के लिए है और साथ ही हर आत्मा के फल के लिए भी। मुख्य कोच के लिए एक छोटी पुस्तिका है जिसमें पूरे तीन महीनें की ईकाई के गृहकार्य भी दिए गये हैं।

अनुशिक्षकों की जिम्मेदारियां:

कोच:

- 3–5 बच्चों को अनुशिक्षित करें।
- हर हफ्ते कक्षा के पहले और बाद में पांच मिनट के लिए विद्यार्थियों से मिलें और गृहकार्य पर चर्चा करें और चैंपियन बनने के लिए उन्हें उत्साहित करते रहें।
- हफ्ते के दौरान विद्यार्थियों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य की याद दिलाएं। (सुझावित दिनः मंगलवार)
- हफ्ते के दौरान दूसरी बार विद्यार्थियों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य पूरे होने के विषय में रिपोर्ट मांगे। (सुझावित दिनः शुक्रवार)
- छोटे समूहों में बच्चों के गृहकार्य पूरे होने पर नज़र रखें और हर हफ्ते मुख्य कोच को रिपोर्ट करें।

मुख्य कोच:

- हर हफ्ते कक्षा के पहले और बाद में अनुशिक्षकों से पांच मिनट के लिए मिलें और गृहकार्य पर चर्चा करें और उनके विद्यार्थियों को विश्वासयोग्यता के साथ कोचिंग देने के लिए उन्हें उत्साहित करें।
- हफ्ते के दौरान अनुशिक्षकों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य की याद दिलाएं। (सुझावित दिनः मंगलवार)
- हफ्ते के दौरान दूसरी बार अनुशिक्षकों को बुलाकर/संदेश भेजकर गृहकार्य पूरे होने के विषय में रिपोर्ट मांगें। (सुझावित दिनः शुक्रवार)
- सभी विद्यार्थियों के गृहकार्य पूरे होने पर निगरानी रखें।
- अनुशिक्षकों और उनके परिवारों के लिए महीनें में प्रेरक मीटिंगों को आयोजित करें।

नियुक्तिः

ज्यादा अगुवों को नियुक्त करना चुनौतीपूर्ण लग सकता है ताकि आपके छोटे समूहों के लिए पर्याप्त अनुशिक्षक हो। हालांकि, यह इतना मुश्किल भी नहीं है। यहां पर कुछ आसान सुझाव दिए गये हैं जिनसे आपको अनुशिक्षकों को खोजने में मदद मिलेगीः

- अनुशिक्षकों से कहो कि उन्हें केवल एक महीनें के लिए ही सेवकाई करनी है। हर महीना आत्मा के एक फल को पूरा करता है। जब वयस्कों से उनके समर्पण के बारे में पूछा जाएगा, और यदि आप केवल एक महीनें के लिए ही पूछते हो, तो अधिकतर लोग इस सेवकाई के लिए तैयार हो जाएंगे। पहले महीनें के दौरान, अगर आप इसे सरल और मनोरंजक बनाते हो, तो वे आगे और जारी रखने के लिए तैयार रहेंगे!
- अनुशिक्षकों को कलीसिया में सामान्य रूप से ही उपस्थित रहने दो, लेकिन 10 मिनट पहले आकर अपने विद्यार्थियों से मिलने के लिए कहो। आपके कोच आपके संडे स्कूल कक्षा में

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

महीने में केवल एक ही बार उपस्थित होंगे, और अन्य हफ्तों में सामान्य रूप से कलीसिया में अन्य वयस्कों के साथ उपस्थित हो सकते हैं।

• विद्यार्थियों को फोन पर बुलाने से अच्छा है कि आप उन्हें संदेश भेजें। अपने अनुशिक्षकों के मोबाइल में पूरे महीने के लिए ऑटोमेटिक संदेश भेजने में मदद करें, ताकि वे आसानी से अपने विद्यार्थियों के साथ संपर्क में रहें। इस बात का ध्यान रखें कि पारंपरिक बुलाने के तरीके के अलावा आप नए तरीकें जैसे कि फेसबुक, ट्विटर, वाट्सअप आदि का उपयोग भी कर सकते हो।

• अपनी कलीसिया में अनुशिक्षकों के कुछ सामान रखने के लिए एक स्थान तैयार करें। एक ''कोच'' दिखने के लिए आपके अनुशिक्षक, खेल के दौरान पहने जाने वाली टोपी, सींटी और वॉटर बोटल भी रख सकते हैं। हर सप्ताह इन चीज़ों को लेकर आने से बेहतर होगा कि इन्हें कलीसिया में ही कहीं रखने की अनुमति दी जाएं। इस तरह से आपके कोच चर्च के दौरान अपना सामान्य वस्त्र पहन सकते हैं, और बाद में कुछ खेल के सामान लेकर एक कोच की तरह दिख सकते हैं।

• हर महीनें आयोजित होने वाली अनुशिक्षकों की मीटिंग को अधिक प्रेरणादायक बनाएं, ताकि वे इसमें निरंतर साल के दौरान शामिल होना चाहे।

• अगर आवश्यकता हो तो बड़े समूहों की अनुमति दें। फेसबुक पर सामूहिक सूचना की मदद से किसी के लिए 10 बच्चों को अनुशिक्षित करना कठिन बात नहीं है।

प्रेरणादायक सभाएं:

मुख्य अनुशिक्षक का कार्य यह है कि वह अन्य अनुशिक्षकों को उत्साहित बनाए रखें। इसे करने का एक महत्वपूर्ण तरीका यह है कि आप हर महीने एक प्रेरणादायक सभा का आयोजन करें। आप किसी एक समय मिलकर भोजन कर सकते हो, साथ में प्रार्थना कर सकते हो, खेल के विषय जानकारी इकट्ठी कर सकते हो और देखो कि आप इसे अपने मसीही जीवन में कैसे लागू कर सकते हो। इसके साथ ही, आप ऑलंपिक खिलाड़ी के बारे में बात कर सकते हो या मिलकर कोई प्रेरणादायक खेल मूवी पॉपकार्न या अन्य स्वादिष्ट व्यंजन का मजा लेते हुए देख सकते हो। अपने अनुशिक्षकों के साथ इस विचार को बांटें कि अगर एक खिलाड़ी को जीतने के लिए इतनी मेहनत करनी पड़ती है तो यह हमारे लिए भी काफी महत्वपूर्ण होता है कि
आत्मिक और अनंत बातों के लिए हम अधिक परिश्रम करें।

पुरस्कार वितरण समारोह

कोच होने के नाते एक महत्वपूर्ण भाग यह है कि आप अपने विद्यार्थियों को एक विजेता बनने का एहसास दिलायें। इसका अर्थ यह है कि आप उन्हें व्यक्त करें कि आप कैसा व्यवहार चाहते हैं, और उस व्यवहार को पुरस्कृत करें। हम सिफारिश करते हैं कि आप विद्यार्थियों को पुरस्कृत करें जब वे अपना गृहकार्य करते हैं, जहां हफ्ते के दौरान वे पाठ को अपने कर्मों में अमल करते हैं। उपस्थिति और याद करना उनका ''प्रशिक्षण'' है और हफ्ते के दौरान अपने गृहकार्य को करना वास्तव में उनकी प्रतियोगिता है। अपने विद्यार्थियों को उत्साहित करें कि अगर वे जीतना चाहते हैं तो प्रशिक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। जबकि, वास्तविक संसार की प्रतियोगिता में ही वे असली विजेता बनते हैं।

एक विचार यह हो सकता है कि हर महीनें के अंत में एक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाए, जब आप आत्मा के हर फल को पूरा पढ़ा चुके होते हो। उदाहरण के लिए, प्यार में 5 हफ्ते का अध्ययन है। जिन्होंने भी कम से कम 3 हफ्ते तक अपने गृहकार्य पूरे किए हो वे कास्य पदक जीत सकते हैं, 4 हफ्ते के लिए चांदी और जिन्होंने पूरे पांच हफ्ते अपने गृहकार्य किए हो उन्हें स्वर्ण पदक दिया जा सकता है। पहले महीनें के बाद आप आगे इसमें अपनी सुविधानुसार परिवर्तन ला सकते हो, क्योंकि कुछ गांव और शहर दूसरों के मुकाबले अधिक चनौतीपूर्ण होते हैं। कुछ इलाके अधिक सुसमाचार के लिए अनुरूप होंगे, और आपको आसान गृहकार्य देने की आवश्यकता होगी ताकि वे उत्साही बने रहें और आपकी कक्षा के साथ लगातार बने रहें।

साल के आखिर में, उनके लिए बड़े पुरस्कार की घोषणा करें जिन्होंने पूरे साल भर कई पुरस्कार जीते हो। यह कोई ट्रोफी या उपयोगी सामान हो सकता है। उन पुरस्कारों को कलीसिया के मंच पर समस्त लोगों के सामने उन विद्यार्थियों को देकर आप इसे और अधिक विशेष बना सकते हो!

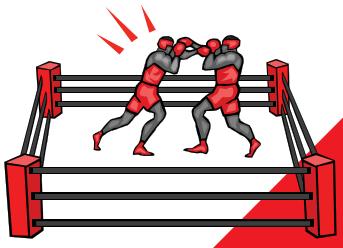

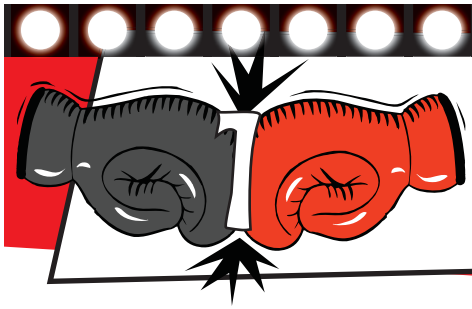

प्यार–बनाम–स्वार्थता

बाइबल की कहानी : यीशु क्रूस पर मरते हैं

मत्ती 27: 27–56

नाटक

बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी एक गेंद के लिए स्वार्थता के साथ लड़ाई कर रहे हैं कि वह गेंद किसको मिलेगी। नाटक का अंत उन दोनों को उस गेंद के साथ आपस में मिलकर खेलते हुए करो।

याद करने की आयत

हम ने प्रेम इसी से जाना, कि उस ने हमारे अपने प्राण दे दिए; और हमें भी भाइयों के लिये प्राण देना चाहिए।

1 यूहन्ना 3:16

मुख्य पाठ

चैंपियन्स् में आपका स्वागत् है, एक ऐसा कार्यक्रम जहां हम ''आत्मा के फल'' के बारें में सीखेंगे और साथ ही यह भी कि पाप से कैसे लड़ा जाएं। एक ''चैंपियन'' बनने के लिए, हमें आत्मा के फल को अपने दैनिक जीवन में प्रायोगिक बनाने की आवश्यकता है। समस्या यह है कि हम सभी आसानी से ''आत्मा के फल'' को याद कर सकते हैं, लेकिन उसके अनुसार जीना काफी कठिन होता है।

ऐसा क्यों है? ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारे स्वयं का पाप का शरीर हमारे विरूद्ध लगातार लड़ता रहता है।

इस महीने में हम हमारे जीवन में ''प्यार'' के फल को दर्शाने का कार्य करेंगे। सबसे बड़ा खतरा जो प्यार के विरूद्ध आता है वह ''स्वार्थता'' है। यहीं पर हम अपनी इच्छाओं को दूसरों की इच्छाओं के आगे रखते हैं। उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि आपका भाई आपके घर के पास लगे एक पेड़ पर खेलना चाहता है, लेकिन आप कुछ अन्य दोस्तों के साथ गली में जाकर खेलना चाहते हो। आप किसे चुनोगे? अगर आप अपने दोस्तों के साथ गली में खेलने चले जाते हो, तो क्या आप अपने भाई को भी अपने साथ चलने को कहोगे?

परमेश्वर ने हमें स्वार्थी न होने का सबसे अच्छा उदाहरण तब दिया जब उसने अपने बेटे यीशु मसीह को इस संसार में क्रूस पर मरने के लिए भेजा। हमारे पापों की कीमत चुकाने और नरक से बचाने के लिए उन्होंने ऐसा किया। अब, आप और मैं उस उपहार को स्वीकार कर सकते हैं, और जान सकते हैं कि एक दिन हम स्वर्ग जाएंगे। क्या आपको लगता है कि यीशु के लिए यह आसान था कि लोग उसके मुंह पर थूके और उसका मजाक उड़ाये? नहीं! यह यीशु के लिए काफी कठिन रहा होगा जब फरीसियों ने उसे क्रूस पर टांग दिया था। अगर मैं दूसरों से प्यार करता हूं, तो यीशु की तरह मैं भी दूसरों को पहला स्थान दूंगा। उसने हमारी रूचि को अपने स्वयं से आगे रखा। हालांकि, यदि मैं एक स्वार्थी हूं, तो मैं वहीं करूंगा जो मेरे लिए सबसे उत्तम हैं। आप किसे चुनोगे?

याद करने की आयतों का खेल

रिलै दौड़

बच्चों को दो समूहों में विभाजित करें। दौड़ शुरू करने के उस रेखा से थोड़ी दूरी पर एक चॉकबोर्ड, सफेद बोर्ड, या एक बड़ा कागज रखें। प्रत्येक टीम के पहले बच्चे के हाथ में एक पेन या बोर्ड पर लिखने का चॉक थमाएं और जैसे ही ''जाओ'' कहा जाएं तो उसे उस बोर्ड या कागज़ की ओर भागना होगा और उसे आयत का पहला शब्द उस पर लिखना होगा। फिर उसे अपने टीम में लौटकर दूसरे को देना होगा ताकि वह उसके आगे का अगला शब्द लिखे। इस तरह जो टीम आयतों को सही ढंग से पहले लिखेगी वह टीम जीतेगी।

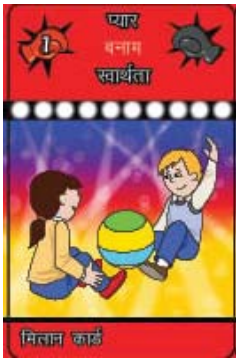

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

र्थ	शु	मा	श	यों	चिं	मि	मा	भा	ब	ह	नें
भा	यी	शु	क	आ	भा	त्र	यों	श	क	श	आ
या	यों	मि	स्व	वा	र्थ	ता	मि	दु	आ	मा	चिं
क	मा	श	यों	भा	या	चिं	दृ	श्य	य	चिं	ता
र्थ	प	या	र	शु	र्थ	मा	मि	म	क	या	श
भा	आ	द	यों	आ	ए	क्श	श	न	भा	र्थ	क
चिं	मा	क	श	भा	यों	क	भा	या	आ	त्म	मा
श	क	र	शु	आ	या	मा	सी	खें	शु	र्थ	आ
मा	मि	ना	र्थ	चिं	ब	नें	मि	या	नें	श	चिं
फ	ल	चिं	या	यों	क	नें	र्थ	शु	भा	इ	यों

प्यार
स्वार्थता
मित्रता
दुश्मन
भाइयों
बहनें
एक्शन
दृश्य
फल
चिंता
सीखें
बनें
याद करना
आत्मा
यीशु

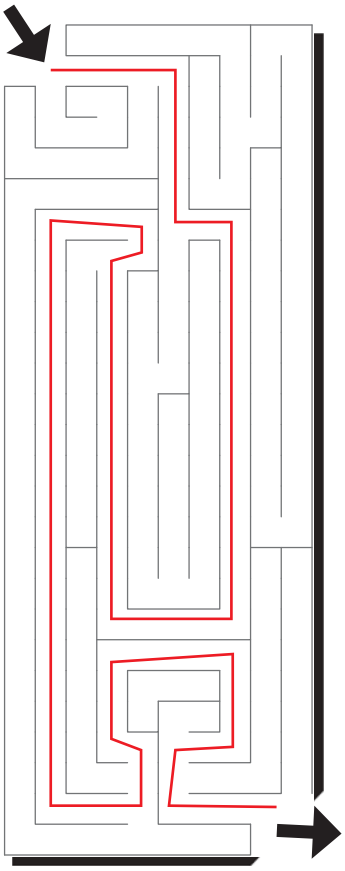

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

सवाल और जवाब

1. मैं किस तरह से एक ज्यादा आत्मिक व्यक्ति बन सकता हूं? बाइबल इस बात को साफ दिखाती है कि आत्मा का फल हमारे जीवन में लागू करना ही हमें आत्मिक बनाता है न कि बाइबल को याद करने, कलीसिया में उपस्थित होने या दान देने से।
2. इतना महान परमेश्वर कैसे मेरा सबसे अच्छा मित्र हो सकता है? परमेश्वर वास्तव में हमें व्यक्तिगत रूप से जानना, और हमारे जीवन में शामिल होना चाहते हैं। हम उनसे उसी तरह से बातें कर सकते हैं जैसे हम अपने किसी अच्छे दोस्त से बातें करते हैं।
3. क्या मुझे वास्तव में दूसरों को अपने से आगे रखने की जरूरत हैं? अगर हम चैंपियन बनना चाहते हैं, तो हां, हमें दूसरों को अपने से आगे रखना होगा। साथ ही, यदि हम यीशु की तरह जीवन जीना चाहते हैं, तो हमें दूसरों को अपने से आगे रखने की आवश्यकता है।

रिंग के अंदर

आपके दोस्त द्वारा सुझावित एक खेल खेलो, उस समय तक खेलो जबतक वे चाहते हैं (यदि अनुमति हो तो) और तब तक खेलो जब तक वे चाहते हैं। आप उनको न बतायें कि आप क्या खेलना चाहते हो। इस समय, आपकी इच्छाओं को महत्व न दें, क्योंकि आप अपने बारें में न सोचते हुए उनके प्रति सच्चे प्यार को दिखा रहो हो।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

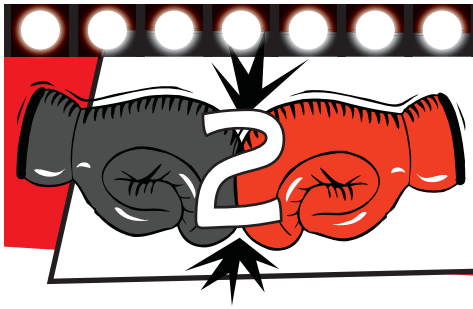

प्यार–बनाम–न्यायी रवैया

बाइबल की कहानी : तिनका और लट्ठा
मत्ती 7: 1–5

नाटक:

मूर्ख फ्रेडी बुद्धिमान विक्की के नाक में लगी छोटी सी गंदगी को देखकर उसका मजाक उड़ाता है। लेकिन इस पूरे समय के दौरान, मूर्ख फ्रेडी के पूरे चेहरे पर ही काफी गंदगी लगी होती है, लेकिन वह अपने गीले तौलिए को लेकर बुद्धिमान विक्की के नाक में लगी छोटी सी गंदगी को हटाने के लिए कहता है।

याद करने की आयत

दोष मत लगाओ, कि तुम पर भी दोष न लगाया जाए। क्योंकि जिस प्रकार तुम दोष लगाते हो, उसी प्रकार तुम पर भी दोष लगाया जाएगा; और जिस नाप से तुम नापते हो, उसी से तुम्हारे लिये भी नापा जाएगा।

मत्ती 7:1–2

मुख्य पाठ

चैंपियन्स् के दूसरे अध्याय में आपका स्वागत् है, जहां हम उन तरीकों को देखना जारी रखेंगे कि किस तरह से हम प्यार को एक आत्मिक फल के रूप में दिखा सकते हैं। प्यार के बारे में जानने से आप किसी मैच को नहीं जीत सकते, लेकिन वास्तव में उस प्यार को दिखाना ही महत्वपूर्ण होता है। आज की लड़ाई ''न्यायी रवैये'' के विरूद्ध है। इसमें दूसरों के खिलाफ आलोचनात्मक और असहमती के विचार शामिल होते हैं। यह मनोभाव सब जगह पर है, यहां तक कि कलीसिया में भी, और कई बार इसे बढ़ावा भी दिया जाता है! हालांकि, न्यायी रवैया रखना पाप है। यीशु ने हमें दूसरों पर दोष लगाने से मना किया है। यीशु ने इस समस्या का सामना किया और अपनी शिक्षाओं में इसे शामिल भी किया है। हमें दूसरों पर दोष इसलिए नहीं लगाना चाहिए क्योंकि हम सबने पाप किया है। दूसरों के दोषों की ओर इशारा करने का अर्थ ठीक वैसा ही कहने के बराबर है कि मुझमें कोई दोष नहीं है। यहीं पर दूसरों पर दोष लगाना काफी गलत होता है क्योंकि कौन ऐसा है जिसमें कोई दोष न हो? हममें से कोई भी नहीं!

यीशु की कहानी में, एक ऐसा आदमी था जिसकी आंखों में एक तिनका गिर गया था। दूसरा आदमी वहां पर आता है और उस पहले आदमी की आंखों से उस तिनके को निकालने में मदद करने की पेशकश करता है। यह काफी अद्भुत दिखता है। ऐसा लगता है कि यह दूसरा आदमी एक दयालु और दूसरों की समस्या में मदद करने वाला है। हालांकि, यीशु आगे कहता हैं, ''नहीं, हे कपटियों!''ऐसा इसलिए था क्योंकि उस आदमी के आंखों में भी कुछ गिरा हुआ था! लेकिन यह कोई तिनका नहीं था, लेकिन लकड़ी का एक बड़ा लट्ठ था! उसकी कल्पना करना काफी मुश्किल है। यहां तक कि, ऐसा असंभव है कि किसी की आंखों में पूरा एक लट्ठ गिर सके। शायद यीशु यहां पर अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए इस उदाहरण के हद तक गये। हमें लोगों की समस्याओं पर दोष नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि इस पूरे समय के दौरान हमारी समस्या उनसे भी बड़ी हो सकती है। न्यायी रवैया रखना एक पाप है जो ''हमारी आंखों में'' हो सकता है जो हमारा देखना असंभव बना देता है। हम सोचते हैं कि हमने जीवन में सब कुछ पा लिया है, लेकिन वास्तव में हम अपनी आंखों पर लकड़ी का एक बड़ा लट्ठ लिए घूम रहे होते हैं। इस पाठ को समझना कोई कठिन नहीं है, लेकिन इस पाठ को जीना काफी कठिन है। केवल दूसरों पर दोष नहीं लगाने के पाठ को समझकर हम कोई ''नॉकआउट'' या मैच को नहीं जीत सकते। हम तभी जीतते हैं जब हम इसके अनुसार जीवन जीते हैं। आईए, हम दूसरों पर दोष लगाना रोकें!

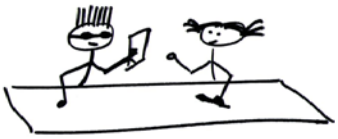

याद करने की आयतों का खेल

एक से दूसरे को देने का रिलै

बच्चे एक मेज के चारों ओर बैठें। कोई एक जन आयत का पहला शब्द या वाक्य (या पद) को एक कागज़ पर लिखें और उस कागज को अगले बच्चे को दें ताकि वह उस पर अगला शब्द या वाक्यांश लिखें, और इसी तरह सब के पास गुजरते रहें जब तक वे पूरी आयत को लिख नहीं लेते। अगला व्यक्ति अगले आयत को शुरू करेगा और उसी तरह आगे बढ़ाते रहें। आप समय रखें और देखें कि क्या वे अपने पिछली बारी को ''हरा'' पा रहे हैं या नहीं, तो इससे आपकी गतिविधि और मजेदार हो जाएगा। गतिविधि में समय का पालन करने से आपको पता चलेगा कि कौन सी आयत और कितने आयतों को शामिल करना है (उदाहरण के लिए, देखें कि 10 मिनट में वे कितनी आयत लिख सकते हैं)।

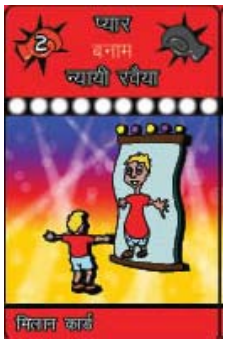

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

आ	का	ल	यी	ती	अ	क्ष	स	का	जा	क्ष	आ
ना	प	क्ष	ग	शि	जा	ती	क्ष	जिं	अ	न्‍	य
आ	का	ती	स	अ	का	अ	ग	शि	ल	या	त
जा	ग	क्ष	म	जा	क	ल	क्ष	ती	जिं	यी	शु
स	क्ष	ल	स	जिं	आ	क्ष	यी	स	शि	जा	जिं
शि	का	यी	या	दा	श	त्	अ	ग	यी	ती	क्ष
ती	आ	ग	ल	आ	शि	ती	स	ल	का	जिं	क्ष
ग	ल	ती	का	क्ष	जा	जिं	ष	या	र	जा	आ
ल	यी	आ	क्ष	स	ल	ग	शि	क्ष	ण	यी	शि
त	शि	जा	इ	रा	दा	यी	का	स	ती	क्ष	क्ष

यादाश्त्
आयत
न्यायी
अन्य
नाप
मजाक
प्यार
इरादा
समस्या
शिक्षण
गलत
गलती
कारण
यीशु
जिंदा

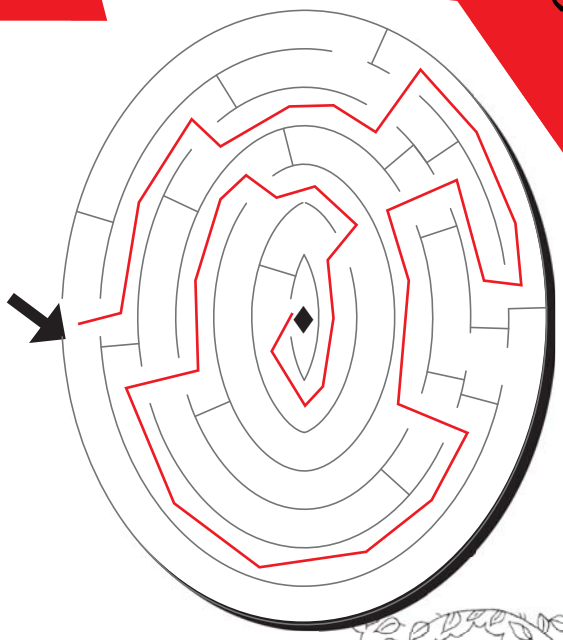

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. मुझे कितना अवसर दूसरों को देना चाहिए? हमें लगातार लोगों को अवसर देते रहना चाहिए। (यीशु ने हमें 490 बार माफ करने के लिए कहा है।) हमें दूसरों से प्यार करना चाहिए, उन्हें पहला दर्जा देना चाहिए, और माफ भी करना है। हालांकि, हमें दूसरों को हमेशा हमें चोट पहुंचने की अनुमति देने की आवश्यकता नहीं है। हम अपने आप को उनके जीवन से अलग करने का चुनाव कर सकते हैं।
2. एक कपटी होने का क्या अर्थ होता है? इस भावना का होना कि आप दूसरों से बेहतर हैं, जबकि आप ऐसे हो नहीं। दूसरों के जीवन के उन क्षेत्रों पर न्याय करना जहां पर आपका अधिकार नहीं है। दूसरों के तिनके को हटाने की कोशिश करना, जबकि आपकी आंखों में ही एक लट्ठा है।
3. कब दूसरों का न्याय करना चाहिए? हम तभी दूसरों का न्याय कर सकते हैं जबकि हम पहले अपनी आंखों से लट्ठ को दूर करें, और साथ ही जब हम दूसरों के साथ प्यार के साथ व्यवहार करते हैं। परमेश्वर हमसे यह नहीं चाहते कि हम ''केवल अपने ही बारे में सोचें'' लेकिन हमारे आसपास के दूसरे लोगों से प्यार करना और उन पर ध्यान देना चाहिए।

रिंग के अंदर

किसी को कहें ''अच्छा किया'' और जो आपको अच्छा लगा है उस पर उनकी सराहना करें। जेब में रखने लायक एक छोटा दर्पण हमेशा अपने साथ पूरे दिन रखें। जब आपको किसी पर दोष लगाने का प्रलोभन होता है, तब अपनी जेब से उस दर्पण को निकालें और अपने आप को देखें। अपने आप को स्मरण कराएं कि आपको दूसरों के दोष को दूर करने की आज कोई आवश्यकता नहीं है।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

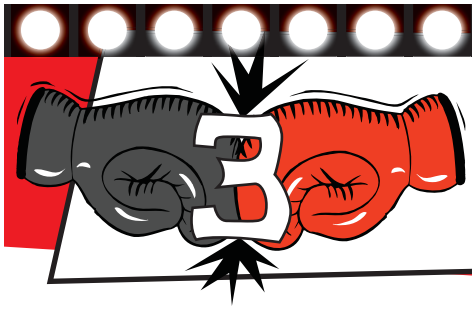

प्यार–बनाम–घृणा

बाइबल की कहानी : यहूदा यीशु को पकड़वाता है

मत्ती 26: 14–16

नाटक:

मूर्ख फ्रेडी के पास एक लम्बी कैंडी है जैसे कि चोको स्टिक या स्नीकर। वह उस कैंडी को मतलबी और घृणा से भरी बातें करता है, और काटकर उसे छोटा करता जाता है। वह खुश था कि उसने इसे छोटा बना दिया है। मूर्ख फ्रेडी इसे और छोटा बनाने की कोशिश करता है ताकि अपने आप का ज्यादा महत्वपूर्ण समझ सके, इसलिए वह इसे और ज्यादा काटता है। बुद्धिमान विक्की वहां प्रवेश करता है। फ्रेडी को एक अच्छा विचार आता है और अपने बाकी बचे हुए कैंड़ी को पैसे के बदले में विक्की को बेचने की पेशकश करता है।

याद करने की आयत

यदि कोई कहे, कि मैं परमेश्वर से प्रेम रखता हूं; और अपने भाई से बैर रखे; तो वह झूठा है: क्योंकि जो अपने भाई से, जिस उस ने देखा है, प्रेम नहीं रखता, तो वह परमेश्वर से भी जिसे उस ने नहीं देखा, प्रेम नहीं रख सकता।

1 यूहन्ना 4:20

मुख्य पाठ

घृणा एक बहुत ही कड़ा शब्द है, एक ऐसी भावना जो प्यार के बिल्कुल विपरीत है, लेकिन कई बार इसका अर्थ केवल किसी को नापसंद करना होता है। क्या आप ऐसे लोगों से मिले हो जिसे आप नापसंद करते हो?

घृणा केवल एक भावना हो सकती है, या इसमें किसी के विरूद्ध कोई कर्म भी शामिल हो सकता है। उदाहरण के लिए, हो सकता है कि आप जाकर किसी बच्चे के बारे में अपने शिक्षक से चुगली खाए जो नकल कर रहा था। अपने शिक्षक को बताने का आपका उद्देश्य क्या था? क्या इसलिए था कि वे आपसे अव्वल थे और आप उन्हें नीचा गिराना चाहते थे? दूसरी ओर, शायद आप उन्हें शर्मिन्दा करने या चोट पहुंचाना चाहते होंगे। लोग अन्य लोगों के ऊपर इसीलिए चढ़ते हैं ताकि अपने आप को ऊंचा उठा सके। अधिकतर जानवर अपनी जाति का ध्यान रखते हैं, लेकिन मानव कई बार ऐसा नहीं करते। हम जलन रखते हैं, या गुस्सा होते हैं और बिना किसी कारण के, हम दूसरों को चोट पहुंचाते हैं। कई ऐसे समय होते हैं जब कोई हमें चोट पहुंचाते हैं, और उन्हें माफ करने की बजाय, हम ऐसे अवसर का इंतज़ार करते हैं जबकि हम उनसे बदला ले सकें। आज की कहानी एक ऐसे आदमी के बारे में हैं जो अपने दोस्त को समस्या में डालने का फैसला करता है। यहूदा इस्करियोति यीशु का एक शिष्य था जो चर्च के अगुवों के पास जाता है और यीशु को पकड़वाने की पेशकश करता है। शायद वह यीशु से ईर्ष्या रखता था, या उस पर क्रोधित था। हमें उसके उद्देश्य के बारे में नहीं पता, सिवाय इसके कि बाइबल बताती है कि वह धन चाहता था। चर्च के अगुवे उसके पास नहीं गये थे, बल्कि वह उनके पास गया था, और उनसे पूछता है कि यदि वह यीशु को पकड़वा दे तो वे उसे कितना धन देंगे।

यहूदा की तरह, पैसा भी एक अन्य उद्देश्य हो सकता है जो हमें दूसरों से घृणा करने के लिए प्रेरित कर सकता है। शायद हम उन्हें पसंद नहीं करते, इसलिए हम उनके बारे में कोई ध्यान नहीं देते। जब किसी से कोई फायदा मिलने का अवसर आता है, तब हम संकोच नहीं करते, जबकि हमें पता होता है कि इससे उन्हें चोट पहुंचेंगी। इस संसार में सभी मनुष्य इसी तरह क्यों हैं? लोगों के साथ ऐसे लोग होते हैं जिन्हें वे पसंद या नापसंद करते हैं। हमें दूसरों से नफरत की उम्मीद रखनी चाहिए, लेकिन हमें उनसे कभी घृणा नहीं करनी चाहिए। परमेश्वर चाहते हैं कि हम सभी से प्यार करें। यहां तक कि, बाइबल कहती है यदि हम दूसरों से प्रेम नहीं रखेंगे तो परमेश्वर से प्रेम नहीं रख सकते (1 यूहन्ना 4:19–21)

याद करने की आयतों का खेल

कागज़ का बास्केट बॉल

आपके याद करने की आयत का प्रत्येक शब्द कागज के एक टुकड़े पर लिखें और एक छोटी सी बास्केटबॉल के गेंद के तरह उसे बनाएं। अपने कक्षा को दो टीमों में बॉटें, और इतना पर्याप्त बनायें ताकि प्रत्येक टीम के पास अपने आप के लिए याद करने के ''बास्केटबॉल'' हो। बच्चे के नाप का एक बास्केटबॉल का नेट कक्षा में आगे के तरफ टांगें। अगर आप के पास एक बास्केटबॉल का नेट उपलब्ध नहीं है, तो आप इसके अलावा कोई उपलब्ध टोकरी/बाल्टी का उपयोग कर सकते हैं। जब बच्चे 'टोकरी' में सारे बास्केटबॉल डाल देते हैं, वह टीम उस टोकरी को खोले ताकि वे उस आयत को जोर से बोल सके। पहली टीम जो याद करने के आयत को सही क्रम में रखेगी वह टीम जीतेगी।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

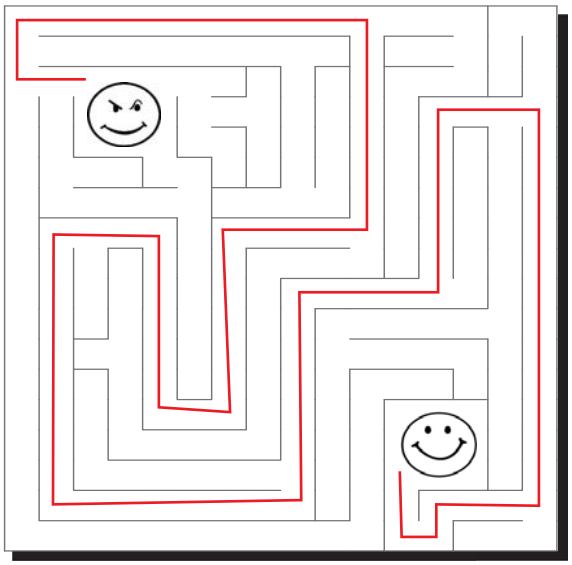

श	र्मि	दा	या	यी	शु	ने	खा	मा	पै
ई	या	ने	ध	ई	खा	धो	दा	या	सा
खा	मा	यी	झ	स	झ	खा	ई	यी	दा
दा	भू	शु	या	ह	यी	दे	ने	ने	ता
ग	ल	त	स	म	झ	ना	या	ई	खा
खा	ना	खा	मा	त	ने	यी	दा	मा	झ
झ	ब	ह	न	ध	ष	खा	भा	ई	या
या	ने	यी	झ	मा	या	झ	ध	ष	यी
मा	क्रो	दा	ध	ई	र	दा	खा	य	मा
बां	ध	ने	वा	ला	यी	या	ने	र्ा	ई

प्यार
क्रोध
भाई
बहन
सहमत
समान
बांधनेवाला
शर्मिंदा
गलत समझना
ईर्ष्या
यीशु
भूलना
धोखा देना
नेता
पैसा

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1. क्या होता है जब आप ''घृणा'' शब्द का इस्तेमाल करते हो? बाइबल बताती है कि परमेश्वर हमारे शब्दों से ज्यादा हमारे कर्म पर ध्यान देते हैं। ऐसा नहीं कि जमीन फटकर हमें खा जाएगी। शब्द महत्वपूर्ण होते हैं, और इसलिए यह कहना अच्छा नहीं कि हम किसी से नफरत करते हैं। जबकि वास्तव में किसी से घृणा करना ज्यादा बुरा होता है।

2. क्या नरक वास्तविक है? क्या लोग वास्वत में वहां जाते हैं? बाइबल हमें सूचना देती है कि नरक वास्तविक है, और एक ऐसी जगह है जहां पर आग, रोना और पीड़ा होती है। यह अनंत है और वह स्थान है जहां वे सभी लोग मरने के बाद जाएंगे जो स्वर्ग की ओर नहीं जा रहे।

3. आपको कौनसी बात किसी के दोस्त बनने से रोकती है? कई बार बच्चे हमसे जिद्द कर सकते हैं, तिरस्कार कर सकते हैं या दूसरों के सामने हमारा मज़ाक उड़ा सकते हैं। यह बातें हमें उनके दोस्त बनने से रोक सकती है। लेकिन हमें हमेशा दूसरों के प्रति दयालु बने रहना चाहिए, लेकिन इसके लिए हमें उनके दोस्त होने की जरूरत नहीं है।

रिंग के अंदर

ऐसे व्यक्ति के साथ करो कोई अच्छा काम करो जिसे आप नापसंद करते हो। जब आप किसी दूसरे को धोखा करते या उलझते हुए देखते हो तब भी अपनी जुबान को रोके रहो। उनके बारे में बात न करें या न ही उन्हें मुसीबत में डालें।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

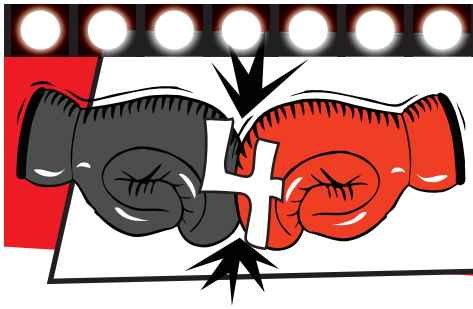

प्यार–बनाम–स्व धार्मिकता

बाइबल की कहानी : अच्छे सामरी का दृष्टान्त

लूका 10: 25–37

नाटक:

बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी एक गेम शॉ में भाग लेते हैं। उस खेल का नाम है, ''मेरा पड़ोसी कौन है?'' विक्की और फ्रेडी प्रतियोगियों के रूप में ''पड़ोसी'' बनते हैं। वे ''पड़ोसी'' बनने की योग्यता को पाने के लिए अपने कारणों को अभिव्यक्त करते हैं और श्रोतागण ताली बजाकर सहमति देते हैं कि वे किसे अपने पड़ोसी के रूप स्वीकार करना चाहते हैं।

याद करने की आयत

उस ने उत्तर दिया, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी शक्ति और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख; और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख।

लूका 10:27

मुख्य पाठ

इस महीने हम प्यार के विषय में सीख रहे हैं, और उन तरीकों के बारे में भी कि किस तरह से दूसरों को प्यार दिखा सके। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण विषय है कि यीशु ने स्वयं इसे कई बार सिखाया। यहां तक कि, यीशु ने पूरी व्यवस्था को आज के हमारे याद करने की आयत में यह कहकर समावेश कर दिया कि मसीहियत पूरी तरह से परमेश्वर से प्यार करना है और साथ ही अपने पड़ोसी को भी अपने समान ही प्यार करना है।

स्व–धार्मिकता का अर्थ है कि ऐसे किसी अच्छे कारण के बारे में सोचना कि यह समय किसी को मदद करने का सही क्यों नहीं है या यह एक गलत विचार क्यों है। एक दिन एक मसीही अगुवा यीशु से इस विषय पर बात कर रहा था। बाइबल बताती है कि वह व्यक्ति अपने आप को धर्मी ठहराना चाहता था, इसलिए उसने यीशु से पूछा, ''मेरा पड़ोसी कौन है?''

यीशु ने जवाब में उसे एक अच्छे सामरी की कहानी सुनाई।

एक दिन एक आदमी सड़क के किनारे पैदल जा रहा था और तभी कुछ डाकुओं ने उसे घेरकर मारा–पीटा। एक बहुत ही धार्मिक व्यक्ति वहां से गुजर रहा था, ऐसा मान लेते हैं कि वह एक चर्च का पास्टर था। वह उस घायल व्यक्ति की मदद करने के लिए नहीं रूका। वह पास्टर उसे मदद करने के लिए क्यों नहीं रूका? शायद वह किसी मीटिंग में भाग लेने जा रहा था जहां उसे प्रचार करना था, इसलिए उसके पास रूकने का समय नहीं था। शायद उसके पास बांटने के लिए अतिरिक्त पैसे नहीं होंगे, और वह जानता था कि अगर वह रूका, तो उसे उस घायल व्यक्ति के ईलाज के लिए पैसे खर्च करने पडेंगे। शायद उसका पिता घर में उसका इंतजार कर रहा होगा, और वह नहीं चाहता था कि घर पहुंचकर उसे डांट पड़े। कोई भी स्व–धार्मिकता वाली बात उसके मन में रही होगी, लेकिन उसके कर्म ने प्यार को नहीं दिखाया।

थोड़ी देर बाद, एक अन्य आदमी वहां से गुजर रहा था, जो उसकी मदद किए बगैर आगे बढ़ गया। बाइबल कहती है कि वह भी एक अन्य धार्मिक व्यक्ति था। ऐसा मान लेते है कि वह किसी मंदिर का पुजारी था। वह भी उसकी मदद किए बिना आगे चला गया। अब हमारे पास दो ऐसे धार्मिक लोग थे जो उस आदमी की मदद करने के लिए नहीं रूके। सच्चाई यह है कि हम सब ऐसा करते हैं। हमारे मनों में अपने आप को धर्मी ठहराने के कारण मिल सकते हैं कि हम किसी दूसरे की मदद करने के लिए क्यों नहीं रूक सकते।

फिर यीशु की कहानी में, तीसरा आदमी उस रास्ते से गुजरता है। उसे समाज में निचले जाति का माना जाता था। यहां तक कि, यहूदी लोग उनसे बात तक नहीं करते थे। हमारे कहानी के लिए, ऐसा मान लेते हैं कि वह कोई दलित था। वह दलित वहां रूका और उस घायल आदमी की मदद करता है। वह उसे एक सुरक्षित स्थान पर ले जाता है और ईलाज का सारा खर्चा भी देता है। यीशु ने तब भीड़ से पूछा, ''इस घायल आदमी का पड़ोसी कौन था जो उन डाकुओं के हाथ लग गया था?'' सभी जानते थे कि यह वही दलित था जिसने प्यार को अपने कर्मों के द्वारा दिखाया। वास्तव में किसी बात को करना, उसके बोलने से काफी कठिन होता है। बाइबल अध्ययन करना, मीटिंगों में जाना और प्यार के विषय में बोलना हमारे लिए काफी आसान है, लेकिन अपने समान दूसरों से व्यवहार करना उतना ही कठिन भी है। यीशु जानता था कि यह कठिन है, और इसीलिए उसने उनको यह कहानी सुनाई।

आप किसकी तरह बनना चाहोगे? क्या आप एक धार्मिक व्यक्ति बनना चाहोगे जो हमेशा चर्च जाता है, लेकिन किसी की मदद करने के लिए कभी नहीं रूकता? दूसरी ओर, क्या आप उस दलित के समान बनना चाहोगे जिसे इस बात की परवाह नहीं थी कि वह घायल आदमी किस जाति का था, लेकिन वह रूककर उस व्यक्ति की मदद करना चाहता था। अपने आप को यह कारण देकर धर्मी ठहराना कि हम मदद नहीं कर सकते, यह अच्छा नहीं है। यीशु चाहता है कि हम अपने कर्मों से प्यार को दिखायें। इसके लिए कोई बहाना नहीं!

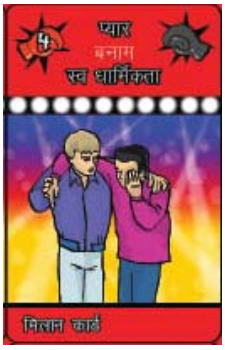

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

ध	ता	अ	प	ने	आ	प	को	रा	ता	ना	पा	स्‍	ट	र्स	ध	ह्र
रा	र्मी	री	ड़ो	रा	त	ध	ड	मा	र्मी	ध	हि	ध	रा	हि	ना	द
हि	ना	री	सी	ता	मा	हि	र	फ	रा	र्म	री	सा	ता	दृ	श	य
लु	रा	रा	र्स	र्मी	रें	री	ता	क	त	या	र्मी	म	रा	हि	ध	ना
ट	री	ता	ना	री	रा	र्स	है	र	हि	र्स	ना	री	री		रा	प
रें	ध	र्स	ध	र्मी	ठ	ह	रा	ना	ध	री	रा	रें	या	ता	र्मी	या
र्मी	ना	रा	हि	री	री	ध	रा	हि	ता	र्मी	बा	इ	ब	ल	री	र

प्यार
दृश्य
आत्मा
ताकत

हृदय
डरता है
माफ करना
पड़ोसी

धर्म
पास्टर्स
माहिर
धर्मी ठहराना

अपने आपको
बाइबल
सामरी
लुटेरें

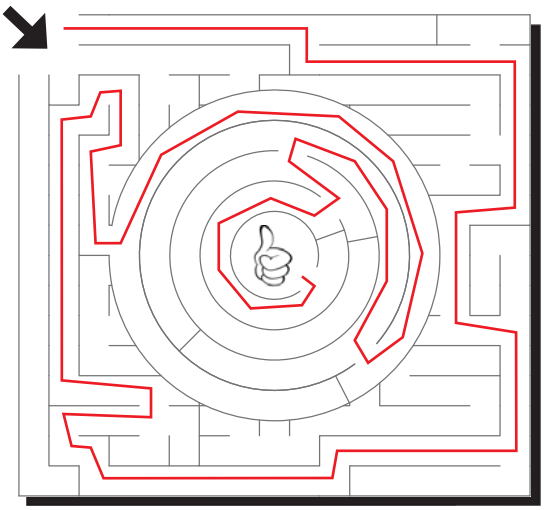

याद करने की आयतों का खेल

एक शब्द को मिटायें

याद करने की आयत को बोर्ड पर लिखें। एक समय में एक एक शब्द को मिटाएं, हर बार बच्चों को आयत को जोर से कहने को कहें।

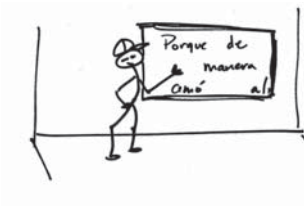

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

सवाल और जवाब

1. क्या होगा अगर किसी को मुझसे कुछ मदद चाहिए? यह दृष्टांत दिखाता है कि यीशु हमसे चाहते हैं कि हम रूकें और उसकी मदद करें।
2. क्या सच में सबका अंत होगा? बाइबल बताती है कि एक दिन यीशु लौट आएगा और यह संसार जिसे हम जानते हैं वह समाप्त हो जाएगा। हम नहीं जानते कि यह सब कब होगा, लेकिन यकीन के साथ यह जानते हैं कि एक दिन अंत जरूर आएगा।
3. किसी की मदद करने से रूकने के आपके साधारण बहाने कौन से होते हैं? हमारे साधारण बहाने पैसे, समय, माता–पिता से अनुमति, दूसरे क्या कहेंगे, या किसी समस्या में न पड़ जाएं आदि होते हैं।

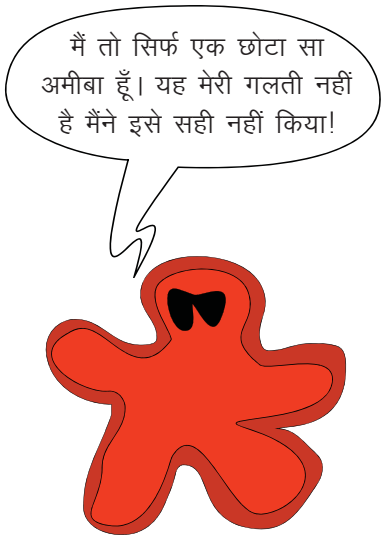

रिंग के अंदर

इस हफ्ते किसी जरूरतमंद की मदद के लिए रूकें, और उन सभी बहानों से बचें जो आपको ऐसा करने से पीछे धकेलता है। किसी ऐसे जन के लिए कुछ खास करो जो समाज में आपके बराबर का नहीं है।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

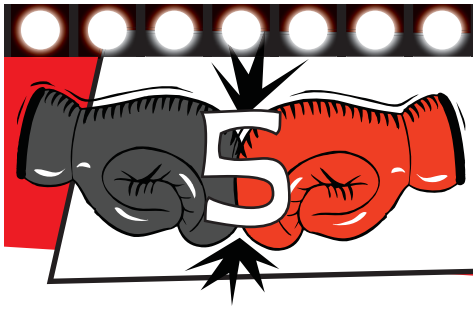

प्यार–बनाम–आत्मिक घमंड

बाइबल की कहानी : दाऊद राजा होने के लिए चुना गया

1 शमूएल 16:1–13

नाटक:

बाहरी रूप को देखने और सराहने के लिए कक्षा में एक दर्पण लेकर आएं और साथ ही एक स्टेथेस्कोप (या कागज के ट्यूब का स्टेथेस्कोप बनाएं) ताकि हृदय के भीतर देख सके। बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी भीतर और बाहर के अंतर की तुलना करते हैं।

> याद करने की आयत
>
> प्रेम धीरजवन्त है, और कृपाल है; प्रेम डाह नहीं करता; प्रेम अपनी बड़ाई नहीं करता, और फूलता नहीं। वह अनरीति नहीं चलता, वह अपनी भलाई नहीं चाहता, झुंझलाता नहीं, बुरा नहीं मानता। कुकर्म से आनन्दित नहीं होता, परन्तु सत्य से आनन्दित होता है। वह सब बातें सह लेता है, सब बातों की प्रतीति करता है, सब बातों की आशा रखता है, सब बातों में धीरज धरता है।
>
> 1 कुरिन्थियों 13 : 4–7

मुख्य पाठ

इस आखिरी हफ्ते में आत्मा के फल ''प्रेम'' के विषय में पढ़ने के लिए, हम उन विभिन्न प्रतिभाओं और योग्ताओं को देखेंगे जो हमारी एकाग्रता को चुरा सकता है और हममें आत्मिक घमंड पैदा कर सकता है। हम जानते हैं कि हमारे आत्मिक चलन में प्रेम महत्वपूर्ण होता है, लेकिन अक्सर हम सोचते हैं कि विश्वास ज्यादा महत्वपूर्ण है। शायद प्रार्थना या आराधना, चर्च में उपस्थित होना या निपुणता के साथ प्रचार करना प्रेम से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। आप देने के विषय में क्या सोचते हो? क्या यह प्रेम से अधिक महत्वपूर्ण है? वास्तविकता यह है, कि ये सभी आत्मिक बातें अच्छी होती है, लेकिन वे सभी उतने महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि प्रेम होता है। 1 कुरिन्थियों अध्याय 13 में इन आत्मिक बातों के विषय में वर्णन किया गया है: निपुणता के साथ प्रचार करना, भविष्यवाणी करना, विश्वास, दान देना, और बलिदान, लेकिन बताता है कि उनकी तुलना प्रेम से नहीं की जा सकती। प्रेम सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है! हम अक्सर प्रतिभाओं और योग्ताओं की सराहना करते हैं। हालांकि, सच्चाई यह है, कि यदि किसी की आवाज़ किसी स्वर्गदूत की तरह ही क्यों न हो, लेकिन अगर वह अपने दैनिक जीवन में प्रेम को नहीं दिखाता, तो परमेश्वर के लिए उनकी आवाज़ एक झंझनाती हुई झांझ की तरह होती है। प्रतिभाओं या अन्य किसी आत्मिक बातों की कोई खूबसूरती नहीं होती अगर उसमें प्रेम न हो। आज के बाइबल कहानी में, परमेश्वर शमूएल नबी को बैतलेहम में एक नए राजा को चुनने के लिए भेजता है। जब वह वहां पहुंचता है, तो सारा शहर परमेश्वर के इस महान जन को देखकर डर से कांप उठता है। वह लोगों के लिए प्रार्थना करता है, और यिशै के परिवार को चुनता है। जब यिशै का परिवार आता है, तो शमूलए उसके पहलौठे पुत्र एलिआब को देखकर सोचता है, ''यह निश्चय ही परमेश्वर द्वारा चुना हुआ राजा होगा!'' जबकि, परमेश्वर ने उसे इंकार किया! लेकिन परमेश्वर ने शमूएल से कहा, ''न तो उसके रूप पर दृष्टि कर, और न उसके कद की ऊंचाई पर। क्योंकि मैंने उसे अयोग्य जाना है। परमेश्वर का देखना मनुष्य के जैसा नहीं है; मनुष्य तो बाहर का रूप देखता है, परन्तु यहोवा मन को देखता है।'' (1 शमूएल 16:7) अपने बाहरी रूप के घमंड से ही किसी को अहंकार आता है, यहां तक कि वह बाहर से आत्मिक दिखने की कोशिश करता है, और अपने मन की ओर ध्यान नहीं देता। शमूएल ने बाकी बचे हुए पुत्रों को भी देखना जारी रखा जब तक कि वे अपने सबसे छोटे पुत्र को लेकर नहीं आए जो मैदान में अपने भेड़ों की रखवाली कर रहा था। दाऊद सबसे छोटा था और लोगों में से राजा बनाए जाने के लिए सबसे अयोग्य लग रहा था। हालांकि, परमेश्वर ने उसे ही राजा होने के लिए चुना। हमारी प्रतिभाओं और योग्ताओं के प्रति प्रेम हमें उन बातों से दूर कर सकता है जो वास्तव में परमेश्वर हमसे चाहते हैं। हम प्रार्थना और गीत गाने में, आराधना और दान देने में समय गुजार सकते हैं, लेकिन अगर हम प्रेम को नहीं दर्शाएंगे, तो परमेश्वर हमसे कभी प्रसन्न नहीं होंगे। हम आत्मिक अहंकार में गिर सकते हैं। यह एक कठिन पाठ है, क्योंकि परमेश्वर की आराधना करना कोई पाप नहीं है। गरीबों को दान देना कोई पाप नहीं है। लोगों के जीवन को परिवर्तित करने लायक प्रचार करना कोई पाप नहीं है। हालांकि, परमेश्वर कहते हैं कि यदि हममें प्रेम न हो ये सभी बातें व्यर्थ हैं। तो हमारा ध्यान प्रार्थना करने, प्रचार करने या गीत गाने से अधिक किस पर केंद्रित होना चाहिए? (पढ़ें 1 कुरिन्थियों 13:4–7)। आईए हम प्रेम पर ध्यान लगाएं।

याद करने की आयतों का खेल

कागज के पर्चे

याद करने की आयत के प्रत्येक शब्द को कागज के एक पर्ची पर लिखें। बच्चों को सही क्रम में पर्चियों को लगाना होगा। इसके अलावा, आप प्रत्येक बच्चे के सामने कागज के एक टुकड़े को लगा सकते हैं और वे उन्हें सही क्रम में लगाएं।

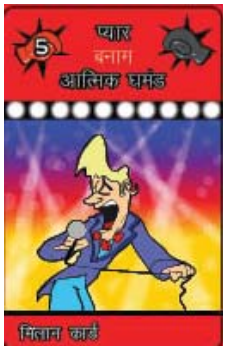

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

रो	गी	डीं	ष	ति	निं	दा	र्व	उ	आ	ता	ति	ई
ता	र्व	इ	या	ना	वा	ता	सु	त	इ	ना	र्व	ष
क्रो	धी	वा	र	सु	ल	आ	ना	सु	सु	वा	डीं	या
ता	ना	ल	ति	इ	र्ी	न	डीं	क	ल	रि	इ	पू
ग	र्व	आ	अ	प्र	स	न्न	न	ता	वा	कॉ	ता	र्ण
ल	इ	ना	अ	ता	ल	द	ता	आ	ति	र्ड	ना	र्व
ति	सु	वा	र्ी	आ	डीं	म	वा	स	अ	इ	डीं	अ
याँ	ति	डीं	ग	हां	क	ना	ल	च	र्ी	सु	वा	न्न
डीं	ना	र्व	ल	सु	ति	ना	ना	चा	र्व	ति	ना	य
इ	ता	स्व	वा	थ	र्ी	र्व	सु	ई	इ	डीं	आ	ता

प्यार
रोगी
उत्सुकता
ईर्ष्यापूर्ण
डींग हांकना
गर्व
निंदा
स्वार्थी
क्रोधी
रिकॉर्ड
गलतियाँ
प्रसन्नता
अन्य
आनन्द मनाना
सच्चाई

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1 सबसे उत्तम होने में क्या गलत है? यह हमारे दिमाग पर हावी हो जाता है और हममें आत्मिक अहंकार लाता है, जिससे दूसरों के प्रति हमारे प्रेम को दूषित कर देता है।
2 आत्मिक अहंकार कैसा दिख सकता है? यह घमंड़, कपट, गर्व या ऐसे विचार के तुल्य दिख सकता है कि आप दूसरों से ज्यादा अच्छे हो। यह हममें दूसरों को नीचा दिखाने की प्रवृति ला सकता है, या दूसरों की सेवकाई करने के अवसर को छीन सकता है।
3 सामर्थी और निर्बल लोगों में से परमेश्वर किनको इस्तेमाल करना पसंद करते हैं? परमेश्वर अक्सर निर्बल लोगों को इस्तेमाल करना पसंद करते हैं, ताकि उनके द्वारा अपनी सामर्थ दिखा सके। जितना ज्यादा हममें आत्मिक अहंकार होगा, उतना ही कम परमेश्वर हमें उपयोग करेंगे।

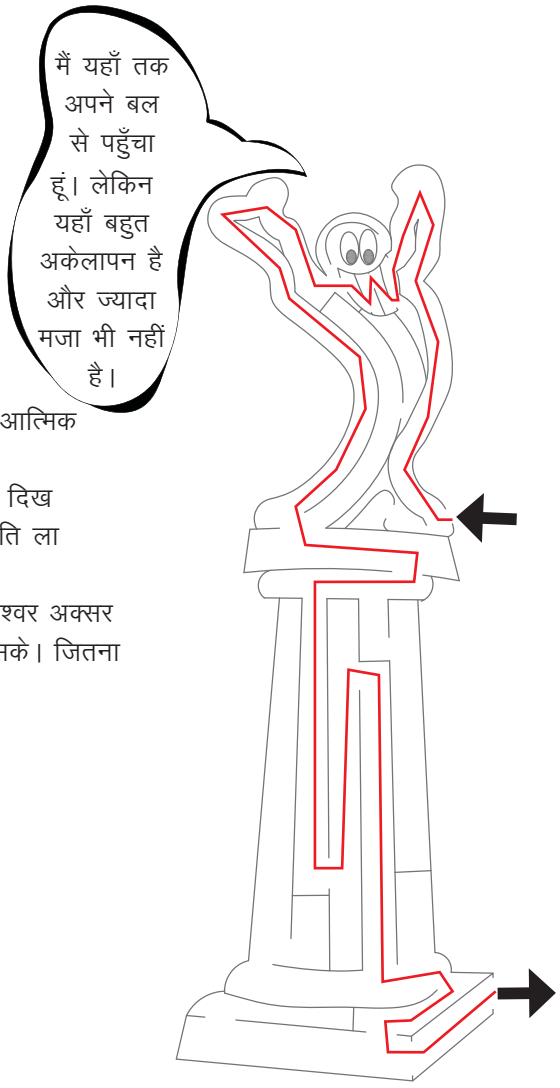

रिंग के अंदर

परमेश्वर से पूछें कि क्या कोई ऐसा आत्मिक अभ्यास है जिसे आपको रोकनी चाहिए, जबकि आप अपने ध्यान को प्यार की ओर ले जाते हो। इस हफ्ते प्यार को दिखाने के लिए अधिक कार्य करें। घमंड़ न करें, वहीं करें जो दूसरों के लिए उत्तम हो, न कि अपने लिए, और साथ ही लोगों को उनकी गलतियों के लिए जिम्मेदार न ठहराएं।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

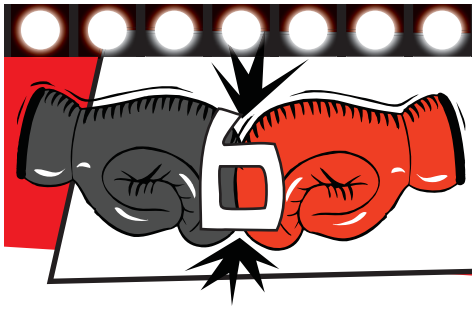

आनन्द–बनाम–ईर्ष्या

बाइबल की कहानी : धार्मिक नेता ईर्ष्यालु होते हैं
प्रेरितों के काम 5:12–33

नाटक:

मूर्ख फ्रेडी ने अपने आप को ''खुश चेहरों'' से ढांप रखा है (चिपकाएं हुए नोट या शरीर पर छोटे कागज के टुकडें चिपकाएं)। बुद्धिमान विक्की एक चोर का मुखौटा पहनता है। जबकि मूर्ख फ्रेडी उन बातों के बारे में शिकायत करता रहता है। तभी विक्की चुपके से एक खुश चेहरे को चुरा लेता है। जब पूरे खुश चेहरे चुरा लिए जाते हैं, तो मूर्ख फ्रेडी रोता है, और अपने लिए दुखी होता है और विक्की पर गुस्सा होता है।

याद करने की आयत

क्योंकि अब तक शारीरिक हो, इसलिये, कि जब तुम में डाह और झगड़ा है, तो क्या तुम शारीरिक नहीं? और मनुष्य की रीति पर नहीं चलते?
1 कुरिन्थियों 3:3

मुख्य पाठ

यह 'आनंद' के विषय में सीखने का समय है! इस हफ्ते हम ईर्ष्या को देख रहे हैं और यह भी कि यह किस तरह से हमारे आनंद को चुरा लेता है। जब हमें दूसरों की उपलब्धियों और गुणों के प्रति जलन उत्पन्न होती है तो हम ईर्ष्या से भर जाते हैं। ईर्ष्या तब भी उत्पन्न हो सकती है जब हम दूसरों की संपत्ति जैसे खिलौने या जेवरों को देखते हैं। यह हममें उन वस्तुओं के द्वारा भी आती है जिन्हें हम नहीं परन्तु परमेश्वर ही नियंत्रित कर सकता है। हम किसे के अच्छे स्वरूप या डील डौल को देखकर, उनके अच्छे माता–पिता या उनके जन्म से मिले प्रतिभाओं के कारण ईर्ष्या कर सकते हैं।

हमें कलीसिया में भी एक दूसरों के प्रति ईर्ष्या हो सकती है, पवित्रात्मा के वरदानों के प्रति, या उन प्रतिभाओं के कारण जो हम कलीसिया में इस्तेमाल करते हैं। ऐसा ही कुछ आज के बाइबल कहानी में भी घटित हुआ।

पतरस और अन्य शिष्यगण कई सारे चमत्कार दिखा रहे थे, जब वे अक्सर यरूशलेम के आराधनालय में इकट्ठे होते थे। भीड़ लगातार बढ़ती जा रही थी और उन्होंने भी चमत्कार दिखाना जारी रखा, रोगियों को चंगा करते और दुष्टात्माओं को निकालते थे। हालांकि, कुछ धार्मिक अगुवें और महायाजक उनकी सफलता से ईर्ष्या करने लगे थें। गुस्से में आकर, उन्होंने पतरस और अन्य चेलों को जेल में डाल दिया। बाइबल बताती है कि ऐसा करने में उनका उद्देश्य ईर्ष्या ही था। पतरस ने कुछ भी गलत नहीं किया था। क्या आपके साथ भी ऐसा कुछ हुआ है? क्या आपको भी बिना किसी गलती की सजा मिली, केवल इसके कि किसी को आपसे ईर्ष्या थी? क्या आपने अन्य किसी को बिना कारण के सज़ा दी है, केवल इसके कि आपको उनसे ईर्ष्या थी? ईर्ष्या हर जगह पर है और बाइबल में भी इसके उदाहरण पाए जाते हैं। लोग अपने आप को दूसरों से तुलना करते रहते हैं, और उनकी कामना करते हैं जो दूसरों के पास है। हम दूसरों पर चढ़कर अपने आप को ऊपर उठाना चाहते हैं।

यरूशलेम के धार्मिक अगुवे शायद उन प्रेरितों के आत्मिक वरदानों के प्रति ईर्ष्या रखते थे। उन्होंने भी शायद रात को सपने में देखा होगा कि वे लोगों को चंगा कर रहे थे। शायद प्रेरित उन दिनों में काफी प्रसिद्ध रहे होंगे, विशेषकर अपनी चंगा करने के आत्मिक वरदान के कारण। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि वे धार्मिक अगुवे इस बात से ईर्ष्या रखते होंगे कि प्रेरितों की बातों को सुनने के लिए भारी भीड़ जमा होती थी। ईर्ष्या हमारे आनंद को चुरा लेता है, और हमें क्रोधी बना देता है। यह हमें उनके बारे में सोचने के लिए मजबूर करता है जिसकी हमें कमी है बजाय उन बातों के तृप्त रहने के जो हमारे पास है। हालांकि महायाजक ने पतरस और चेलों को जेल में डलवा दिया था, लेकिन रात के समय एक स्वर्गदूत ने आकर उन्हें वहां से आज़ाद कर दिया। वे तुरंत आराधनालय में लौट गये और प्रचार करना और लोगों को चंगा करना जारी रखा। इसलिए, आखिर में, प्रेरितों को जेल में डालकर उन धार्मिक अगुवों को कोई फायदा नहीं हुआ! इसके कारण प्रेरितों की प्रसिद्धी अधिक बढ़ती गयी और वे लोगों के बीच ज्यादा चमत्कार दिखाते गये।

याद करने की आयतों का खेल

प्रश्न पूछें

याद करने की आयत के प्रत्येक शब्द को कागज के एक पर्ची पर लिखें। प्रत्येक बच्चे के पीठ पर उन पर्चियों के टुकड़ों को चिपकाएँ। उन्हें आपस में एक दूसरे से पूछने दें कि उनके पीठ पर कौन सा शब्द लिखा हुआ है, और फिर एक सही क्रम में खड़े हो।

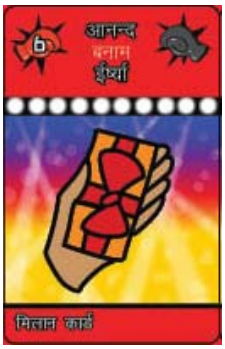

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

स	सि	ली	झ	छ	आ	त्र	मा	क्ष	सि
व	ता	झ	ग	ड़े	ई	क्ष	भु	ता	अ
च	भु	भा	ड़ा	सि	भा	झ	छ	ली	भि
छ	भि	क्ष	क	ली	सि	या	ई	सि	न
सि	सं	सा	र	भि	ई	भु	अ	न्न	य
ली	क्ष	भा	ना	झ	यी	ता	द	ली	क्ष
ई	छ	ता	झ	भा	शु	सि	भु	छ	प्र
ष	झ	ली	ता	क्ष	भि	झ	त	ई	ति
य	क्ष	ई	भि	म	छ	ली	भु	क्ष	भा
र्ा	सि	भु	मा	ता	–	पि	ता	ली	एं

संसार
ईर्ष्या
झगड़ा करना
अभिनय
स्वच्छ
अन्य
झगड़े
अद्भुत
माता–पिता
प्रतिभाएं
क्षमता
कलीसिया
आत्मा
यीशु

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1 क्या यीशु मेरे दोस्तों में शामिल हो सकते हैं? इस विषय को अपने विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें, और विचार करें कि उनके जीवन में किस तरह के परिवर्तन करने होंगे जिससे कि यीशु उनके मित्रों में शामिल हो सके।

2 क्या होगा कि एक मसीही होने के कारण कोई मेरा अपमान करे? उन विषयों के बारे में बातें करें जिनसे वे प्रसिद्ध महसूस कर सकें, और अगर वे बातें बाद में जीवन में मायने रखती है, या बाद के जीवन में: अर्थात् स्वर्ग या नरक में।

3 ईर्ष्यालु लोगों में कौन सी बातें एक जैसी होती है? उन लोगों के नाम नहीं लेना जब आप ईष्यालु लोगों के विभिन्न बातों की चर्चा करते हो। कुछ विचार हो सकते है जैसे कि गलत बात फैलाना, ऑनलाइन पर मतलबी बातों को प्रचारित करना, अवसर न देना, या दूसरों का मजाक उड़ाना।

रिंग के अंदर

आत्मिक वरदानों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें : जैसे कि शारीरिक सौंदर्य, संपत्ति और आपके परिवार के लिए। परमेश्वर से मांगें कि वह आपको उन चीज़ों में खुश और संतुष्ट रहने में मदद करें जो आपके पास हैं। किसी ऐसे जन को चुनों जिनसे आप ईर्ष्या रखते थे और जाकर उन्हें एक छोटा उपहार दें। (अपनी पुरानी ईर्ष्या के बारें में उसे न बतायें)।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

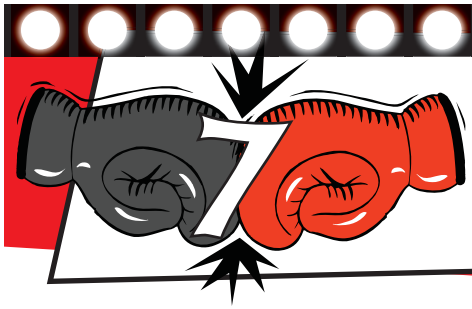

आनन्द–बनाम–लालच

बाइबल की कहानी : धनवान नौजवान

मत्ती 19: 16–30

नाटक:

मूर्ख फ्रेडी रस्सी से बंधा हुआ है (जो लालच को दिखाता है) और हिल डुल नहीं पाता। बुद्धिमान विक्की आता है और उसे खेलने का प्रस्ताव देता है, लेकिन उस रस्सी के कारण फ्रेडी बिल्कुल हिल नहीं पाता। वह उधर जाने के लिए आज़ाद नहीं है जहां वह जाना चाहता है। बुद्धिमान विक्की कक्षा को लालच के बारें में बताता है और यह भी कि यह हमें किस प्रकार हिलने डुलने से रोकता है।

याद करने की आयत

चौकस रहो, और हर प्रकार के लोभ से अपने आप को बचाए रखो: क्योंकि किसी का जीवन उस की संपत्ति की बहुतायत से नहीं होता।

लूका 12:15

मुख्य पाठ

यह समय हमारे लिए ''धन'' के बारे में बात करने का है। सामर्थ, वासना और लालच धन से आता है, और हमारे आनंद को भी चुरा सकता है। यदि हमारे पास कुछ और धन होता, तो हम सोचते हैं कि हम ज्यादा खुश रह सकते। हम चारों ओर देखते हैं और दूसरे लड़के लड़कियों को हंसते हुए देखते हैं और सोचते हैं कि ऐसा इसलिए है क्योंकि उनके पास बहुत सारा खिलौना है, या उनके पास बहुत सुंदर कपड़े हैं। या उनके बहुत सारे दोस्त इसलिए है क्योंकि उनके पास बहुत सारा पैसा है। लेकिन बाइबल के सभोपदेशक नामक पुस्तक में लिखा है कि ''जो धन से प्रेम रखता है वह कभी इससे तृप्त नहीं होता; जो संपत्ति से प्रेम रखता है वह कभी अपनी आमदनी से तृप्त नहीं होता।'' यह हमारे जीवन में भी सच है। जब आप धन से प्रेम करते हो, तो आप इससे कभी तृप्त नहीं होते। हालांकि, आनंद एक ऐसी चीज़ है जिसे धन कभी खरीद नहीं सकता। जबकि अक्सर धन हमारे आनंद को चुरा लेता है। यह काफी हैरानी की बात है कि जिन्होंने कभी कोई लॉटरी जीती हो वे कुछ सालों के बाद खुश नहीं दिखते। यहां तक कि, लॉटरी जीतने वालों में आत्महत्या करने की संख्या अधिक देखी गयी है! जब आपके पास पैसा होता है तो लोग आपके आसपास होते हैं, लेकिन इसलिए नहीं कि वे आपसे प्रेम रखते हैं। वे इकट्ठा करेंगे क्योंकि वे जितना संभव हो सके उतना आपसे हासिल करना चाहेंगे। धन का लालच हमारे हृदय को जल्दी जकड़ लेता है। खुद के लिए ज्यादा से ज्यादा चीज़ों को हासिल करने की इच्छा ही लालच होता है, जबकि वे हमारे जीवित रहने और सुविधा के मूल आवश्यक वस्तुओं से परे होती है। यीशु पहाड़ के उपदेश में हमें चेतावनी देते हैं कि अगर धन हमारा मालिक बन जाए तो हमें नाश कर सकता है। ''कोई मनुष्य दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता, क्योंकि वह एक से बैर और दूसरे से प्रेम रखेगा, या एक से मिला रहेगा और दूसरे को तुच्छ जानेगा। तुम परमेश्वर और धन दोनों की सेवा नहीं कर सकते'' (मत्ती 6:24) आज के बाइबल कहानी में, हम एक धनवान व्यक्ति से मिलते हैं। यह आदमी एक मसीही था और वह अपने जीवन में परमेश्वर की सेवा करना चाहता था। यीशु ने उससे कहा, ''यदि तू सिद्ध होना चाहता है, तो जा अपनी संपत्ति बेच दे और गरीबों में बांट दे, तब तुझे स्वर्ग में धन मिलेगा। और आकर मेरे पीछे हो ले।'' यह सुनकर वह धनवान व्यक्ति बहुत उदास हुआ। उसके पास बहुत सारा धन था, और वह इसे दूर नहीं करना चाहता था! लालच आनंद का हत्यारा है। बच्चे अक्सर अपने आस पास के चीज़ों को देखते हैं और उन्हें हासिल करना चाहते हैं। आप अपने स्कूल में उन बच्चों को जानते होंगे जिनके पास वे वस्तुएं हैं जो आप चाहते थे। दूसरे बच्चे उन चीज़ों को चाहेंगे जो आपके पास है। हालांकि, संपत्ति से आनंद हासिल नहीं कर सकते। लालच से छुटकारा ही सच्चा आनंद और खुशी लेकर आता है। परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह आपके जीवन में से लालच को निकाल फेंके, क्योंकि अपनी सामर्थ से, हम ऐसा कभी नहीं कर सकते। जैसे कि यीशु ने उस धनवान व्यक्ति से कहा, ''मैं तुम से सच कहता हूं कि धनवान का स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करना कठिन है। तुमसे फिर कहता हूं कि परमेश्वर के राज्य में धनवान के प्रवेश करने से ऊंट का सूई के नाके में से निकल जाना आसान है।'' आईए, हमारे जीवन में उस कठिन काम को करने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें, अपने आप को धन और लालच के चंगुल से छुडाने के लिए, ताकि हमें वह सच्चा आनंद और खुशी मिल सके!

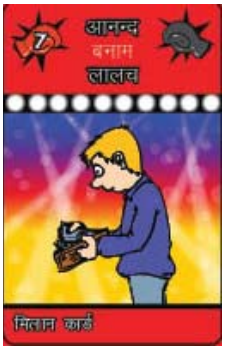

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

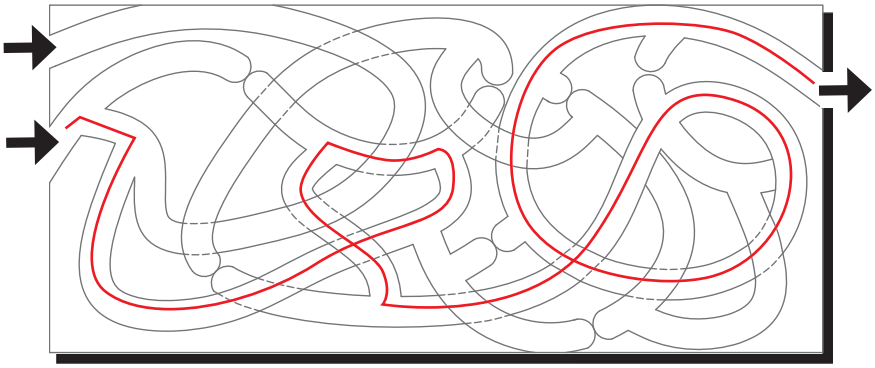

घड़ी
स्नेह
विभिन्नता
लालची
मिला हुआ
बहुतायत
संपत्ति
यादाश्त्
पैसा
लॉटरी
चोरी करता है
प्यार करता है
दिखना
सेवा करता है

ने	है	ची	लॉ	री	चो	वि	या	ब	लॉ	री	दा	वि	ना	भ	स्	दा
या	दा	श	त्	या	से	भि	ला	हु	आ	ने	ची	लॉ	चो	है	ने	री
ड़ी	भ	ची	चो	दा	वा	न्	ल	ता	या	घ	ना	ट	ना	वि	ह	लॉ
लॉ	री	लॉ	ने	है	क	न	ची	य	भ	ड़ी	चो	री	दा	ची	भ	या
है	प्	या	र	क	र	ता	है	त	ना	वि	री	भ	वि	दि	ख	ना
ची	चो	री	क	र	ता	है	चो	है	री	पै	सा	या	ची	ने	लॉ	है
भ	ड़ी	दा	या	लॉ	है	भ	दा	ची	लॉ	ने	है	ने	सं	प	त्ति	री

याद करने की आयतों का खेल

गर्म आलू

किसी भी बैग को 'गर्म आलू' के रूप में प्रयोग करें और उस के अंदर पर्चियों पर याद करने की आयतों के एक एक शब्द को लिखकर उस के अंदर डाल दें। बच्चों को एक बड़े गोल आकार में बैठायें और संगीत शुरू करें। जब संगीत बंद होता है, तब वह बच्चा उस कागज़ के बैग या थैले से कागज के एक पर्ची को बाहर निकालेगा। वे उसे या तो बोर्ड पर चिपका सकते हैं या फिर उनके गोले के मध्य में फर्श पर रख सकते हैं। बच्चों को मिलकर एक साथ काम करने कि वे उस याद करने के आयत को सही क्रम में रखें।

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1 अगर आप पकड़े नहीं जाते तो क्या यह ठीक है? विभिन्न पापों के विषय में अपने विद्यार्थियों से बातें करें और यह भी कि कोई व्यक्ति गलत करे और पकड़ा न जाए तो क्या यह पाप है कि नहीं। परमेश्वर सबकुछ देखता है, इसलिए वास्तविकता यह है कि हर पाप गलत है, चाहे हम पकड़े जाए या नहीं। हालांकि, व्यस्क लोग जीवन को इस तरह से नहीं देखते। उन भिन्नताओं के विषय में बातें करो जो कि परमेश्वर पवित्रशास्त्र में कहता है और जिसे हम सामान्य रूप से जीते हैं।

2 परमेश्वर और धन की सेवा करने की कोशिश करने का क्या अर्थ होता है? धन की सेवा करने का अर्थ है सारा समय स्कूल की पढ़ाई या कार्य की पढ़ाई पर ही व्यतीत करे ताकि जब आप बड़े हो जाए तो अधिक से अधिक पैसा कमा सके। धन की सेवा करने का अर्थ गलत तरीके का इस्तेमाल करना या सच को छुपाना या चोरी करना भी होता है ताकि अधिक पैसा जुटा सके।

3 इसमें क्या गलत है जब हम किसी से कोई ऐसी चीज़ चुरा रहे हैं जिनकी उनको उतनी जरूरत नहीं है जितनी कि मुझे है? परमेश्वर चाहते हैं कि हम अपनी सारी जरूरतों के लिए उस पर भरोसा रखें। जब हम दूसरों से चुराते हैं तो वास्तव में हम अपनी जरूरतों को अपने हिसाब से पूरा करने का प्रयास करते हैं ताकि जीवन को बेहतर बना सके। इस ग्रह में जीवन उतना बेहतर नहीं होगा।

रिंग के अंदर

कलीसिया में अपने स्वयं के धन में से कुछ परमेश्वर के लिए भेंट की पेटी में डालें, न जानते हुए भी कि यह धन कहां जाता है। अपने धन में से कुछ दूसरों की सेवा के लिए उपयोग करें। यदि आपके पास धन न हो तो आप अपने किसी चीज़ को लेकर किसी जरूरतमंद को दे सकते हो।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

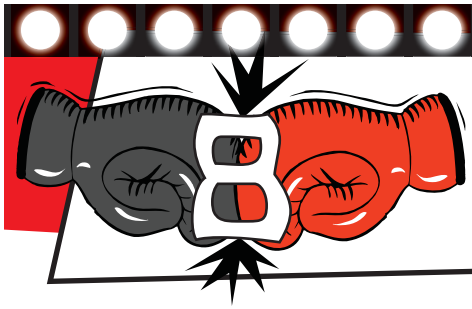

आनन्द–बनाम–आत्मदया

बाइबल की कहानी : योना और कीड़ा

योना 4:1–10

नाटक:

मूर्ख फ्रेडी अपने विस्तृत परिवार की एक तस्वीर लेकर आता है। वह केवल अपने पर ही ध्यान केंद्रित करता है और अपने बाल, कपड़े, डील–डौल आदि के बारे में शिकायत करता है। बुद्धिमान विक्की उसे बताता है कि वह कितना भाग्यशाली है कि वह उस प्यारे और बड़े परिवार में पला बढ़ा है।

याद करने की आयत

क्योंकि हमारा पल भर का हल्का सा क्लेश हमारे लिये बहुत ही महत्वपूर्ण और अनन्त जीवन महिमा उत्पन्न करता जाता है। और हम तो देखी हुई वस्तुओं को नहीं परन्तु अनदेखी वस्तुओं को देखते रहते हैं, क्योंकि देखी हुई वस्तुएं थोड़े ही दिन की हैं, परन्तु अनदेखी वस्तुएं सदा बनी रहती हैं।

2 कुरिन्थियों 4:17–18

मुख्य पाठ

जब हम अपने आप पर बहुत ज्यादा ध्यान केंद्रित करने लगते हैं तो यह हमारे आनंद को चुराने वाली एक चीज़ बन जाती है, और हमारी भावनाओं को हमें नीचे दिखाने की अनुमति देता है। आत्मदया खुद की समस्याओं पर केंद्रित रहना होता है और यह हमें अप्रसन्न बना देता हैं। यह ऐसी भावना होती है कि आपका हाल दूसरों से ज्यादा बुरा है जिनका अन्य लोग सामना करते हैं और चाहते हो कि वे आपके प्रति सहानुभूति रखें। यह काफी दुखद होता है, पर यह भावना अक्सर दूसरों को हमारे प्रति सहानुभूति दिखाने की कोशिश करता है ताकि हमपर दूसरों का ध्यान लगा रहे। जब हम आत्मदया में फंसे होते हैं, तो हम आशा करते हैं कि कोई हमसे कहें, ''ओह, वह बेचारा...'' आपने योना और बड़ी मछली की कहानी तो सुनी होगी, लेकिन आज की बाइबल कहानी योना और एक कीड़े के बारे में है! योना का उस बड़ी मछली के साथ के मुठभेड़ के बाद, वह नीनवे पहुंचता है और उस नगर के लोगों को सुसमाचार सुनाता है। नीनवे के लोग अपने पापों से मन फिराते हैं, और अपने बुरे मार्गों से मुड़ जाते हैं। इसलिए, परमेश्वर उस नगर पर दया करता है, और उन्हें नाश नहीं करता जैसा कि उसने योजना बनाई थी। इससे योना काफी गुस्सा होता है, और उस नगर को छोड़कर चला जाता है और बाहर जाकर उदास बैठ जाता है। परमेश्वर ने उसे छाया देने के लिए एक दाखलता उगाया। अगले दिन, परमेश्वर ने एक कीड़े को भेजा जिसने उस पेड़ को ऐसा काटा कि वह सूख गया। तब सूरज की तेज किरणें योना के सिर पर लगने लगी। वह फिर से काफी गुस्सा हो उठा, इस बार वह उस सूखी दाखलता पर गुस्सा था। परमेश्वर ने योना से कहा, ''जिस दाखलता के लिये तू ने कुछ परिश्रम नहीं किया, न उसको बढ़ाया, जो एक की रात में हुआ, और एक ही रात में नष्ट भी हुआ; उस पर तू ने तरस खाई है। फिर यह बड़ा नगर नीनवे, जिसमें एक लाख बीस हज़ार से अधिक मनुष्य हैं तो क्या मैं उस पर तरस न खाऊं?'' (योना 4:10:11) जब हम अपनी आत्मदया के दलदल में धंसे हुए होते हैं, तो हम वह कर सकते हैं जो परमेश्वर ने योना से किया: एक कदम पीछे लेना और उस बड़ी तस्वीर को देखना। उस नगर में 120,000 से ज्यादा लोग निवास करते थे। यह अद्भुत था कि परमेश्वर ने उन्हें बचा लिया। आपकी परिस्थिति की बड़ी तस्वीर क्या है? यदि आप बीमार हो, तो उन अनेक लोगों के बारे में भी सोचों जो बीमार है, और कई तो ऐसे है जिनकी बीमारी आपसे भी बुरी है। यदि आप अपने आप को गरीब समझते हो, और अपनी परिस्थिति को सुधार पाने में असमर्थ हो, तो उन हज़ारों लोगों के बारे में सोचों जो आपसे भी गरीब है, और उस गरीबी से निकलने का उनके पास कोई उपाय नहीं है। यदि आपको उस बड़े तस्वीर को देखने में परेशानी होती है तो आप परमेश्वर से आपकी आंखें खोल देने के लिए प्रार्थना करें। आप अपनी समस्याओं के विषय में सोचना बंद करें, और उन समस्याओं पर ध्यान दें जिनका सामना दूसरे लोग करते हैं। जब आप पीछे पीछे हटकर उस बड़ी तस्वीर को देखते हो, तो आप अपनी आत्मदया की भावना से छुटकारा पा सकते हो, और साथ ही अपने जीवन में आनंद का अनुभव कर सकते हो।

याद करने की आयतों का खेल

स्ट्रॉ रिलै

प्रत्येक बच्चे के लिए एक, पीने के लिये इस्तेमाल करने वाले स्ट्रॉ को आधे में काटें (लगभग 4'' का टुकड़ा हो)। (अगर स्ट्रॉ चौड़ा होगा तो ज्यादा अच्छा होगा।) प्रत्येक टीम के लिए एक आयत बनाते हुए, प्रत्येक शब्द को कागज के एक टुकड़े पर लिखें। कक्षा को टीमों में बॉटे। प्रत्येक टीम के लिए एक मेज पर शब्दों को रखें। एक रिलै दौड़ के रूप में, प्रत्येक टीम में के सदस्य को अपने स्ट्रॉ से याद करने के आयत के एक शब्द को उठाना होगा, और कमरे के दूसरे पक्ष पर अपनी टीम की मेज पर लाना होगा। पहली टीम जो उसे इकट्ठा करेगी और याद करके सुनाएगी वह टीम जीतेगी।

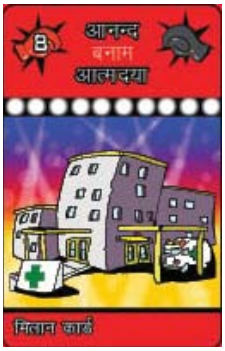

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

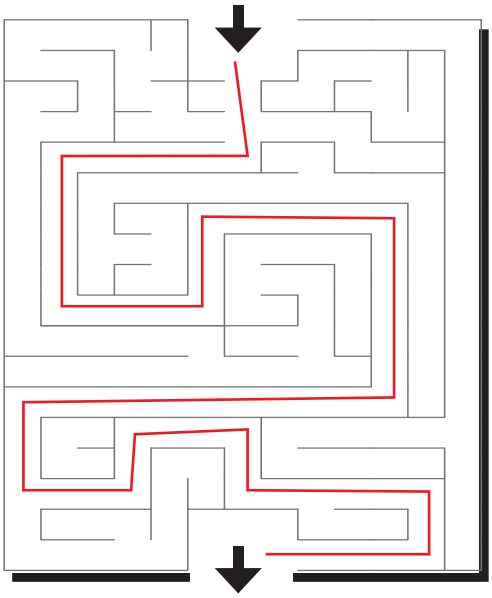

विवाद
अस्थायी
तकलीफ़ें
कामयाब
अनंत
महिमा
अधिक भारी होना
अस्पष्ट
अस्थाई
आत्मा
नीनवे
योना
व्हेल
कीड़ा
दया

अ	यो	ड़ा	द	नी	री	या	अ		नी	हि	नी
या	का	म	या	ब	यी	या	हि	था	ड़ा	यी	अ
री	हि	हि	नी	ड़ा	अ	ड़ा	नी	नी	री	वि	यो
आ	त	मा	नी	अ	स	प	ष	ट		वा	या
री	था	ड़ा	अ	नं	था	यी	यो	अ	नी	द	ड़ा
यो	नी	या	यी	त	ई	या	त	यो	था	नी	री
की	नी	अ	धि	क	भा	री	हो	ना	त	यी	हि
ड़ा	अ	स	था	ली	यी	यो	हि	यी	नी	अ	नी
नी	यो	था	या	फें	नी	था	नी	री	यो	था	न
था	हि	यी	अ	री	ड़ा	ट	हे	ल	ड़ा	या	वे

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1 बड़ी तस्वीर क्या है? हमारा जीवन केवल एक श्वास भर ही है, और हम इस ग्रह में बहुत थोड़े समय के लिए जीवित रहते हैं। जल्द ही हम मर जाएंगे और स्वर्ग या नरक में जाएंगे। अनंतता महत्वपूर्ण है, न कि इस संसार का जीवन।

2 वे लोग क्या करते हैं जो अपने बारे में उदासीन भावना रखते हैं? वे शायद बहुत सी शिकायतें कर सकते हैं, अपनी समस्याओं के बारें में ही बातें करते होंगे। वे अपनी जिम्मेदारियों से दूर भागते होंगे, और अपने सामान्य कार्य नहीं करते होंगे। वे साधारण रूप से दूसरों को भी अपने साथ नीचे गिरा देते हैं।

3 अक्सर लोग हम पर हुकूमत क्यों करना चाहते है? यह पूरा संसार अधिकार के आधीन होने के मुताबिक बनाया गया है: घर में हमारे माता–पिता से लेकर हमारे कामकाज में हमारे बॉस तक, हर कोई हम पर हुकूमत करते हैं। हालांकि, जीवन में मौसम का बदलाव होता है, और एक दिन आपके पास भी अधिकार आ सकता है!

रिंग के अंदर

किसी अनाथालय या किसी ऐसी सेवकाई में मदद करो जो गरीबों को भोजन बांटती है। बीच बीच में, अस्पताल जाकर किसी बीमार व्यक्ति से मिलो। परमेश्वर से प्रार्थना करो कि वह आपको बड़ी तस्वीर देखने के लिए आंखें खोल दें, और केवल अपने ऊपर आंखें जमाये रखने से बचने में मदद करे।

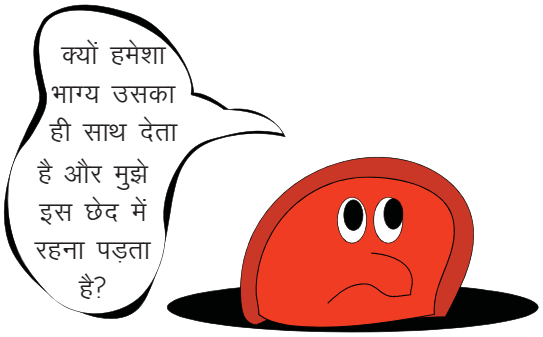

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

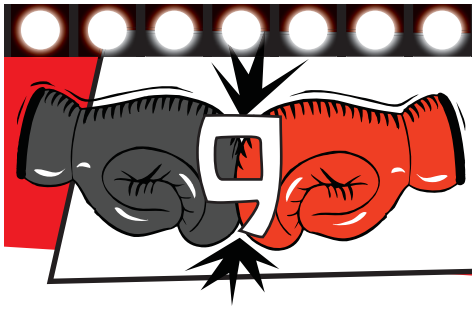

आनन्द–बनाम–आभारहीनता

बाइबल की कहानी : यीशु ने 10 कुष्ठ रोगियों को चंगा किया
लूका 17: 11–19

नाटक:

एक पैक किया हुआ उपहार तैयार रखें। बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी उस पैक किए हुए उपहार को पाते हैं और काफी उत्तेजित होते हैं। वे उन उपहारों के विषय में बातें करते हैं जो परमेश्वर ने उन्हें उनकी प्रतिभाओं, योग्यताओं, परिवार, प्रेम आदि के रूप में दिया है। बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी आभारी होने से लेकर तिरस्कार के उन उपहारों के विभिन्न प्रतिक्रियाओं को प्रदर्शित करते हैं।

याद करने की आयत

उसके फाटकों से धन्यवाद, और उसके आंगनों में स्तुति करते हुए प्रवेश करो, उसका धन्यवाद करो, और उसके नाम को धन्य कहो!

भजन 100:4

मुख्य पाठ

हमने इस महीने उन विभिन्न पापों को देखा है जो हमारे आनंद को चुरा सकता है, लेकिन हमारे आनंद को चुराने वाला सबसे उग्र चोर एक छोटी से चीज़ है: आभारहीनता। सरल रूप से, यह वह मनोभाव होता है जब हम उन बातों की कोई सराहना नहीं करते जो हमने पाए हैं। ये वे वस्तुएं हो सकती है जैसे कि भोजन और कपड़े, रिश्तेदार या हमारा परिवार, यहां तक कि मिलने वाले मौकें।

हम किसी के भी काबिल नहीं है। हालांकि, हम कई बार काबिल होने का दिखावा कर सकते हैं, जैसे कि हमारे पास कुछ हो। हम शायद सोच सकते हैं कि हम आदर के काबिल हैं, या हम सोच सकते हैं कि हम एक आसान जीवन जी रहे हैं। जबकि, ऐसा नहीं है। परमेश्वर ने कभी नहीं कहा कि इस संसार में जीवन आसान होगा; इसके बजाय, उसने इसके विपरीत स्थिति के बारे में ही कहा है!

आज की बाइबल कहानी में, 10 लोग कुष्ठ रोग से पीड़ित थे। एक दिन यीशु यात्रा कर रहे थे और एक गांव की ओर जा रहे थे। तब वे दस कोढ़ी यीशु को पुकार कर कहने लगे, यीशु, मालिक, हम पर दया करो!''

यीशु ने उनसे अपने आप को याजक को दिखाने को कहा, और जब वे जा रहे थे, तो रास्ते में ही सभी चंगे हो गये! तब उनमें से एक जन लौट आया और यीशु के पैरों पर गिर कर, उसका धन्यवाद किया।

तब यीशु ने सोचा कि उन बाकी 9 लोगों के साथ क्या हुआ जो उस दिन चंगे हुए थे। वे लौट कर यीशु को धन्यवाद देने क्यों नहीं आए? क्या आपको लगता है कि वे अपनी चंगाई के काबिल थे? क्या आप ऐसा सोचते हो कि उन्हें दरअसल ऐसा लगा होगा कि यीशु उनको चंगा करने के लिए बाध्य था? शायद वे जल्दी ही अपने कोढ़ के दर्द को भूल गये होंगे, और अपने नए जीवन में लौट गये होंगे।

हालांकि, सच्चा आनंद केवल तभी मिल सकता है जब हम इस बात को पूरी तरह से जान लेते हैं कि हमारे लिए कोई भी कुछ भी करने के लिए बाध्य नहीं है। परमेश्वर हमें चंगा करने, या धन, या प्रसिद्धि, या रिश्ता बनाने या अवसर देने के किसी प्रकार से बाध्य नहीं है। हर अद्भुत वस्तु जो हमें मिली है वह परमेश्वर की ओर से मिला हुआ उपहार ही है, और इसके लिए हमें परमेश्वर के प्रति अभारी बने रहने की आवश्यकता है।

वे कौन सी वस्तुएं हैं जो आपको लगता है कि आपको मिलती रहनी चाहिए? आपके दोपहर के भोजन के बारे में आपका क्या ख्याल है? क्या आप हमेशा अपनी मां से अपेक्षा करोगे कि वह आपको उपलब्ध कराती रहे? क्या होगा अगर वह रोज आपके लंच को बना न पाए या आपको उपलब्ध न करा सके? क्या आप एक क्षण लेकर परमेश्वर और आपकी मां को भोजन के लिए धन्यवाद दोगे?

जितना ज्यादा हम अपने जीवन में अच्छा पाने की अपेक्षा करते रहेंगे, उतना ही ज्यादा हममें गुस्सा और कड़वाहट भरता जाएगा। जबकि, जितना ज्यादा हम उन चीजों के लिए आभारी रहेंगे जो हमारे पास है, उतना ही ज्यादा आनंद हम पाते रहेंगे।

याद करने की आयतों का खेल

अनुमान लगाओ

एक स्वयंसेवक का चयन करें जो शिक्षक के साथ अपने समूह को पीठ दिखाता हुआ खड़ा होगा। जो भी उस आयत को सिखा रहा है वह चुपचाप उस शब्द की तरफ इशारा करेगा जो उस आयत में है और उसे उस समूह को निर्देश देना होगा कि एक 'ताली' को उस शब्द के लिये नियुक्त करते हुए वे उस आयत को पढ़ें। फिर उस स्वयंसेवक को अनुमान लगाना होगा कि वह खोया हुआ शब्द कौन सा है।

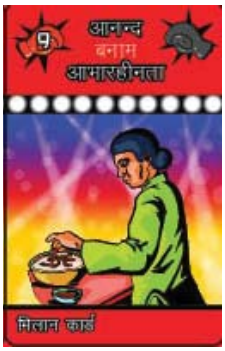

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

आ	भा	री	जें	शु	खु	ति	ला	भा	अ
त	ति	भा	ला	खु	ध	भा	या	श	कृ
मा	श	शु	श	या	न	या	या	ल	य
ला	भा	श	खु	भा	य	ला	जें	ति	ज्ञ
या	स	जें	द	र	वा	जें	खु	शु	या
ति	तु	शु	श	आ	द	र	भा	ला	प्र
श	ति	श	भा	श	श	श	भा	श	वे
भा	या	ला	ल	च	भा	ति	जें	शु	श
यी	शु	ति	जें	र्य	जें	या	ला	भा	ति
शु	श	भा	ला	या	शु	श	भा	खु	श

प्रवेश
दरवाजें
धन्यवाद
न्यायालय
स्तुति
अकृतज्ञ
आभारी

आत्मा
लालच
आदर
खुश
आश्चर्य
यीशु
पवित्र

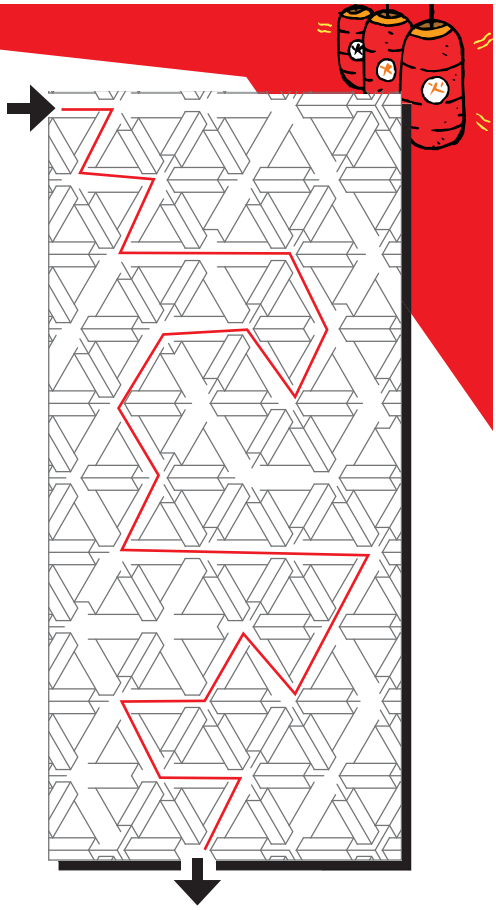

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1 हम कौन सी बातें कर सकते हैं जो दिखाता है कि हम आभारी हैं? हम कह सकते हैं, ''धन्यवाद'', एक उपहार दे सकते हैं, दूसरों से अच्छी बातें कर सकते हैं, प्रार्थना में परमेश्वर को धन्यवाद देंगे, या धन्यवाद को प्रगट करने के लिए कुछ उपहार दे सकते हैं।

2 स्वर्ग के बारे में सबसे महान बात कौन सी है? बाइबल बताती है कि स्वर्ग सबसे बेहतर स्थान है जिनकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। अपने विद्यार्थियों के साथ सबसे सर्वोत्तम वस्तु की कल्पना कीजिए; भौतिक वस्तुओं से लेकर पारिवारिक मनोरंजन और प्यार, प्राकृतिक सौंदर्य और एक सिद्ध तापमान। फिर बच्चों को बताएं कि स्वर्ग उससे भी काफी बढ़िया जगह है।

3 जीवन इतना कठिन है फिर भी हम कैसे धन्यवादी रह सकते हैं? यह हमारे लिए काफी आसान होता है कि हम अपने जीवन के उन भागों पर ध्यान देते हैं जो बुरा होता है, और अपनी आंखें उन भागों से फेर लेते हैं जो अच्छा होता है। आभारी बनने का एक तरीका यह है कि आप अपने जीवन की ओर देखें और अच्छी बातों को ढूंढें: क्या आपके पास एक अच्छा मित्र है, एक मां है जो आपका ध्यान रखती है, क्या आज सुबह आपने नाश्ता किया, या इस हफ्ते आप किसी मजेदार स्थान पर गये, आदि?

रिंग के अंदर

अपने माता–पिता (या किसी अन्य) को उन चीजों के लिए धन्यवाद दें जो वे आपको रोज देते हैं। कुछ ऐसा चुनें जिनके बिना आप कुछ समय के लिए चल सकें, ताकि आपको याद रहें कि यह हमेशा आपके साथ नहीं रहेगा।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

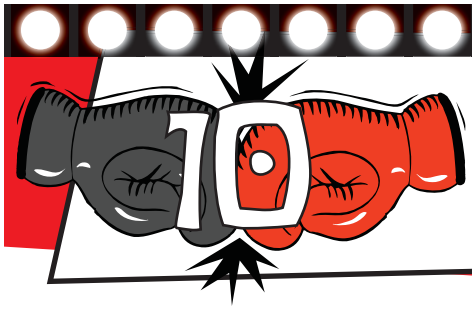

शांति–बनाम–चिंता

बाइबल की कहानी : एल्लियाह कौवों द्वारा खिलाया गया

1 राजा 17: 1–6

नाटक:

एक स्पष्ट शीशे के बड़े पात्र पर लिखें ''भरोसा'' और अन्य साफ पात्र पर लिखें ''चिंता''। बुद्धिमान विक्की उस ''भरोसा'' वाले पात्र में थोड़ा सा तेल डालता है जो परमेश्वर पर उसके भरोसे को दिखाता है। मूर्ख फ्रेडी अपनी सारी चिंताओं को व्यक्त करता है और अपने ''चिंता'' पात्र में रंगीन पानी डालता है। क्या हममें एक ही समय में परमेश्वर पर भरोसा और चिंताएं हो सकती है? वे अपने पात्र को एक साथ मिलाते हैं। वे पहले तो धीरे से मिल जाते हैं लेकिन फिर अलग हो जाते हैं। जबकि चिंताओं को बताया जाता है, वे उतना ही रंगीन पानी उस शीशे के पात्र में उंडेलते रहते हैं। वह ''चिंता'' का पानी धीरे धीरे ''भरोसे'' के तेल को पात्र में से बाहर धकेलता रहता है जबकि यह पूरी तरह से चिंता से भर नहीं जाती। ठीक ऐसा ही हमारे जीवन में भी होता है।

याद करने की आयत

इसलिये पहिले तुम उसे राज्य और धर्म की खोज करो तो ये सब वस्तुएं तुम्हें मिल जाएंगी।

मत्ती 6:33

मुख्य पाठ

इस महीनें हम आत्मा के फल के रूप में ''शांति'' के बारें में सीखेंगे। एक तरह की शांति वह है जो हमारी आत्मा के अंदर होता है। यह परमेश्वर पर वह भरोसा होता है कि वह हमारी सारी आवश्यकताओं का ध्यान रखेंगे। जब हम इस बात की चिंता करना शुरू करते हैं कि हम क्या खाएंगे, या हम क्या पहनेंगे, तो हम अपनी शांति खो देते हैं। मत्ती के अध्याय 6 में यीशु हमें उत्साहित करते हैं कि हम अपने जीवनों के लिए चिंता न करें, बल्कि अपनी आवश्यकताओं के लिए उस पर भरोसा रखें। उसने हमें बताया है कि हम उसके लिए आकाश की पक्षियों से भी अधिक महत्वपूर्ण है जिनकी जरूरतों को वह पूरा करता है। यीशु ने मैदान में उगने वाले फूल के बारे में भी उपमा दी, जो इतनी खूबसूरती से रंग को धारण किए हुए होते हैं, जबकि हम उन फूलों से भी काफी महत्वपूर्ण है। परमेश्वर कहते हैं कि हम अपने लिए किसी बात की चिंता न करें। हमें परमेश्वर को पहले खोजना चाहिए, तो हमारी सारी आवश्यकताएं भी पूरी होती जाएंगी। वह चाहता है कि हम उस पर भरोसा रखें। यह काफी अद्भुत लगता है, लेकिन इसे अमल करना काफी कठिन होता है। इसीलिए यीशु इसी आयत में आगे कहता है, ''हे अल्प विश्वासियों।'' हमारी जरूरतों के लिए और चिंता से मुक्त होने के लिए परमेश्वर पर भरोसा रखने की आवश्यकता होती है। हमारे हृदय और प्राण के अंदर परमेश्वर की शांति तभी आ सकती है जब हम उस पर भरोसा रखते हैं। आज की बाइबल कहानी में, एलियाह को परमेश्वर पर भरोसा रखने के लिए बहुत सारा विश्वास चाहिए था क्योंकि परमेश्वर ने उसे एक लम्बे समय के लिए एक मरूस्थल में भेजा था और कहा कि वह अपने खाने और पीने की बिल्कुल चिंता न करें! परमेश्वर ने उसे भोजन देने के लिए कौवों को भेजा, जो सुबह और शाम रोज उसके पास रोटी और मांस लेकर आते थे। वह वहां पर जिंदा रह सका क्योंकि रोज पक्षी उसके लिए खाना लेकर आते थे। वहां पर एक झरना था जिसमें उसे पीने का पानी मिलता था। क्या आप कल्पना कर सकते हो यह उसके लिए कितना कठिन था? वह शायद पहले चिंतित होगा कि इस मरूस्थल में वह कैसे जीवित रह सकता था। हर समय अक्सर आप और मैं चिंतित रहते हैं। हम भी शायद एलियाह नबी की तरह अपने भोजन के लिए चिंतित होंगे। दूसरी तरफ, हम शायद कपड़ों, बस का किराया या अन्य आवश्यकताओं के लिए चिंतित होंगे। हमारे मन में तभी शांति आ सकती है जब हम अपनी सारी जरूरतों के लिए पूरी तरह से परमेश्वर पर भरोसा रखते हैं। इसी लिए, जब समस्याएं आती है, तब हमें घबराने या चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। परमेश्वर हमारी आवश्यकताओं को पूरा करेगा।

याद करने की आयतों का खेल

टिक–टाक–टॉ

याद करने की टिक–टाक–टॉ आयत एक बहुत ही अच्छा–आसान खेल है और उसके लिये कोई पूर्व योजना की आवश्यकता नहीं है। खेलने के लिए, 3 कुर्सियों के 3 पंक्तियों को अपने कक्षा के बीचोंबीच रखें ताकि आप उसे अपने टिक–टाक–टॉ बोर्ड़ की तरह इस्तेमाल कर सकें। अगर आप अपनी कक्षा में कुर्सियों का इस्तेमाल नहीं करते हो तो पेपर प्लेट या कागज को फर्श पर अपने टिक–टाक–टो बोर्ड़ की तरह इस्तेमाल कर सकते हो। प्रत्येक टीम के सदस्य जब याद करने की आयात को सही से दोहराते हैं, तो वह टिक–टाक–टॉ बोर्ड़ पर अपना स्थान चुनें और उस पर बैठें या खड़े हो। पहली टीम जो टिक–टाक–टॉ को कर लेती है वह जीतती है।

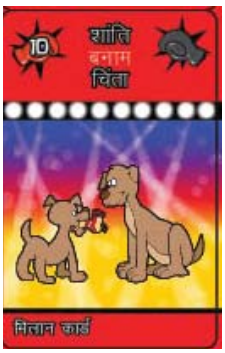

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

आ	त	मा	मि	रा	म	ता	धा	मि	ल	यी	शु	आ	प	ता	धा	चि
प	ता	व	ल	प	ह	ला	व	प	मि	श	रा	रा	श	ां	ति	ल
रा	चि	रा	धा	ला	त	चि	रा	आ	शु	व	ता	धा	मि	व	श	ता
ल	मि	ज	मि	श	व	ल	श	ता	रू	चिं	रा	आ		चि	प	रा
मू	ल	य	आ	ता	पू	मि	धा	र्मि	क	ता	मि	ल	भ	रो	सा	आ
मि	प	रा	व	श	र्ण	प	रा	चि	र	रा	आ	चि	धा	व	मि	मि
धा	चि	ची	जें	ता	रा	धा	आ	ल	ना	मि	धा	व	रा	प	दा	ता

तलाश
पहला
राज्य
धार्मिकता
चीजें

महत्वपूर्ण
मूल्य
भरोसा
यीशु
आत्मा

दाता
शांति
चिंता
शुरू करना

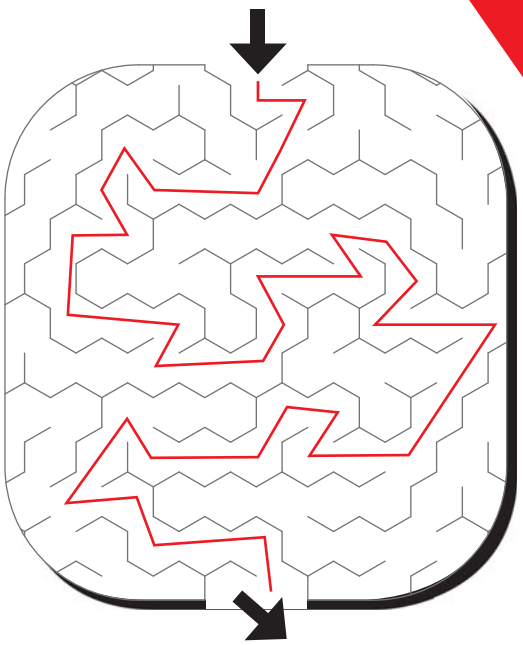

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1 क्या कोई ऐसी बात है जिसे परमेश्वर नहीं कर सकता? नहीं, परमेश्वर सर्व–शक्तिमान है।

2 कठिन बातों की अनुमति परमेश्वर क्यों देता है? हमारी आत्मिक उन्नति के लिए, या दूसरों को उनकी समस्याओं में मदद करने के लिए, (हम मदद नहीं कर सकते अगर हम उस स्थिति से गुजरे न हो) जब पाप इस संसार में आया, तब इसने सबको प्रभावित किया। परमेश्वर हर मसीहियों के चारों ओर कोई एक बड़ा दीवार नहीं बांधता। हमें इस संसार में रहना है, ठीक उसी तरह जैसा कि अन्य लोग इस ग्रह में रहते हैं, और दूसरों की मदद करने के लिए उपलब्ध रहना चाहिए।

3 परमेश्वर को बिना देखें हम उस पर कैसे विश्वास कर सकते हैं? परमेश्वर पर भरोसा रखने के लिए विश्वास की आवश्यकता होती है जबकि हम उसे देख या महसूस नहीं कर पाते। हालांकि, हमारे महसूस करने से बढ़कर, परमेश्वर हमेशा हमारे पास मौजूद है। वह हमसे प्यार करता और हमारी चिंता करता है।

रिंग के अंदर

जो कुछ आपके पास है उसे किसी दूसरे के साथ बांटें, भले ही इसका मतलब आपको इसके बिना रहना हो। जैसे कि खाना, कपड़ा, बस का किराया, या कुछ ऐसा जिसके लिए आपको कुछ खर्च करना पड़े।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

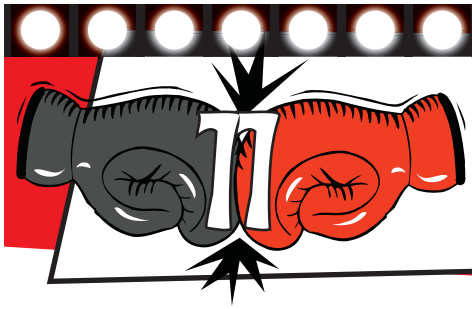

शांति–बनाम–डर

बाइबल की कहानी : पतरस पानी पर चलता है

मत्ती 14:22–33

नाटक:

बुद्धिमान विक्की एक छोटे कागज के कप को पानी में तैरा रहा है। मूर्ख फ्रेडी पत्थरों को लेता है जो डर और चिंताओं को दिखाता है और उन्हें एक एक करके उस कप में रखता जाता है जब तक कि वह पानी में डूब नहीं जाता।

याद करने की आयत

उस ने उन से कहा, अपने विश्वास की घटी के कारण: क्योंकि मैं तुम से सच कहता हूं, यदि तुम्हारा विश्वास राई के दाने के बराबर भी हो, तो इस पहाड़ से कह सकोगे, कि यहां से सरककर वहां चला जा, तो वह चला जाएगा; और कोई बात तुम्हारे लिये अन्होनी न होगी।

मत्ती 17:20

मुख्य पाठ

जब हम मसीही बन जाते हैं, तब हम अपने जीवन को परमेश्वर को देते हैं। अब हम अपने जीवन के मालिक नहीं होते, लेकिन अपने दिल और कार्यों से परमेश्वर का अनुसरण करने का प्रयास करते हैं। यह जीने का एक अद्भुत तरीका है; हालांकि, यह थोड़ा डरावना भी होता है। परमेश्वर हमसे हमेशा वही चीज़ करने का नहीं कहेगा जो हम करना जानते हैं। वह हमसे वे बातें भी करने को कहता है जो हमारे लिए करना असंभव होता है।

आज की बाइबल कहानी में, चेले एक नाव पर सवार होकर नदी पार कर रहे थे। तभी एक बड़ा तूफान उठता है, लेकिन अब वे किनारे से बहुत आगे निकल चुके थे इसलिए वे वापस लौट नहीं सकते थे। वे अपने जीवन के विषय में डरने लगे। तभी यीशु उनके पास नदी पर चलते हुए आता है!

इससे वे चेले और ज्यादा डर जाते हैं। लेकिन यीशु उनसे हिम्मत रखने और भयभीत न होने के लिए कहता है। इस मुकाम पर, उन्होंने पहले भी कई बार इस तरह के डर का सामना किया था, लेकिन अब यह ज्यादा कठिन लग रहा था। तब पतरस यीशु से पूछता है कि उसे भी पानी के ऊपर चलते हुए उसके पास आने की अनुमति दे! यीशु एक आसान उत्तर के साथ प्रतिक्रिया करता है, ''आ''। पतरस नाव पर से बाहर निकलता है और पानी पर चलने लगता है!

यह एक बहुत ही अद्भुत भाग है, क्योंकि पतरस एक साधारण इंसान था, लेकिन वह अभी कुछ ऐसा कर रहा था जो उसके लिए बिल्कुल असंभव था। ऐसा ही यीशु के हर चेलों के साथ होने वाला है। हम शायद पानी के ऊपर नहीं चल पाए, लेकिन कई ऐसे समय आएंगे जब हम असंभव काम को करते हुए अपने को पाएंगे। यहां तक कि, यदि आप वे ही काम करते हो जो संभव है, तो शायद आप उसे अपनी शक्ति से करने का प्रयास करोगे! जबकि, यीशु चाहता है कि हम उसकी सामर्थ में जीएं और काम करें। एक तरीका है जिससे आप पता लग सकते हो कि आप परमेश्वर की सामर्थ में जी रहे हो, और अपनी शक्ति पर नहीं, तो ऐसा कुछ कीजिए जो आपको पता है कि आपके लिए उसे कर पाना असंभव है! यही पानी पर चलना होता है। क्या आपके स्कूल में ऐसे विद्यार्थी है जिन्हें परमेश्वर के बारे में बताना आपको असंभव लगता है? क्या कुछ ऐसा है जो आप अपने माता–पिता के लिए करना चाहते हो लेकिन अभी आपको असंभव लगता है? वह क्या है जिसे परमेश्वर आपके हृदय में करने के लिए डाल रहा है? यीशु से कहें कि आप भी उसके साथ ''पानी पर चलना'' चाहते हो। अगर वह कहता है, ''आ'', तो आप भी असंभव पर चलना शुरू करो। आप भी परमेश्वर को आपके दैनिक जीवन में चमत्कार करते हुए देख सकोगे।

यह आसान नहीं है। पानी पर चलने के बाद, पतरस लहरों को देखकर घबरा गया, उसने अपनी आंखें यीशु से हटा ली, और वह डूबने लगा। यही आपके और मेरे साथ भी हो सकता है। हालांकि, डरने की आवश्यकता नहीं है। यीशु ने पतरस का हाथ पकड़ा और उसे डूबने से बचा लिया। अपने डर को दूर करो और हिम्मत रखो। यही वह तरीका है जिसमें एक मसीही जीवन जिया जा सकता है : ''पानी के ऊपर चलना।''

याद करने की आयतों का खेल

एक धुन बनाएं

एक धुन को निकाले या बनायें और आयत को कहीं ऐसे जगह पर लगायें जहॉं सब देख सकते हैं। छात्रों को अब उस आयत में से एक धुन निकालना होगा। आप एक समूह से भी शुरू कर सकते हो, जैसे सिर्फ लड़कों से करायें, या सिर्फ लड़कियॉं करें, और यदि उन्हें अच्छो लगता है तो अंत में एक बार में एक विद्यार्थी को ऐसा करने दो! बच्चे इसे बहुत पसंद करेंगे!

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

दो	वि	छो	जी	प	हा	ड़	जी	यी
नों	हीं	टा	यों	र	हीं	श	हा	शु
जी	वि	श	जी	मे	वि	दो	यों	नों
वि	श	यों	वि	श	नों	नों	हा	जी
श	वा	स्त	त	व	में	श	वि	कु
यों	स	जी	हीं	र	हा	जी	नों	छ
हीं	ह	नों	यों	श	ए	क	श	न
वि	म	सी	हि	यों	हीं	नों	वि	हीं
नों	त	वि	श	हा	यों	जी	हीं	श
यों	हीं	अ	सं	भ	व	नों	दे	ना

वास्तव में
विश्वास
छोटा
जीवित
पहाड़
कुछ नहीं
असंभव
मसीहियों
देना
दोनों
सहमत
एक्शन
परमेश्वर
यीशु

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

सवाल और जवाब

1 इस हफ्ते वे कौन सी असंभव बातें हैं जो परमेश्वर आपसे करने को कह रहे हैं? पाठ में से विभिन्न उदाहरणों पर चर्चा करें, और उन संभावित गृहकार्य के विषय में बातें करो जो परमेश्वर ने उन्हें दिया था। आप अपने खुद की गवाही भी बच्चों के साथ सरल शब्दों में बांट सकते हो।

2 जब हमारे माता–पिता हमसे बुरा करते हैं तब क्या करना चाहिए? जीवन काफी कठिन होता है, कई बार हमारे खुद के घर में भी। क्या कोई ऐसा तरीका है जिनसे हमारे माता–पिता का आदर किया जा सके, जबकि वे हमसे कुछ बुरा करने को कहते हैं? हमें परमेश्वर पर हर बात के लिए विश्वास रखना चाहिए, चाहे हमारे माता–पिता न रख पा रहे हो।

3 वे कौन सी बातें हैं जो अपको भयभीत करती है? विभिन्न बातों पर बातें करें, मकड़ी से लेकर माता–पिता से मार खाने तक के बारे में। अपने बच्चों को बताएं कि जो वे कक्षा में बांटेंगे उसे बाहर कहीं भी किसी को बताया नहीं जाएगा। उन्हें आरामदायक रहने दें ताकि वे बिना संकोच किए अपने भय को दूसरों के साथ बांट सके। उनके हर डर के लिए जवाब देने की कोशिश न करें, बल्कि केवल सुनें और उन्हें बांटते रहने दें।

रिंग के अंदर

कुछ ऐसा चुनें जिसे करना आपको असंभव लग रहा है या आपको करने में डर लग रहा है। यीशु से उस काम को पूरा करने की मदद मांगें। फिर धीरे धीरे उस काम को करने के लिए कदम बढ़ाएं। सफलता पाने के लिए आरंभ करना आवश्यक है, यद्यपि आप पतरस की तरह डूबने सकते हो। उद्देश्य यह है कि आप कुछ ऐसा चुनें जो असंभव या काफी कठिन लगता है, और फिर उस काम को करने का प्रयास करें।

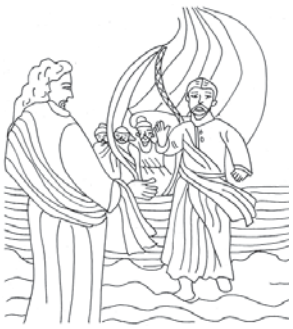

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

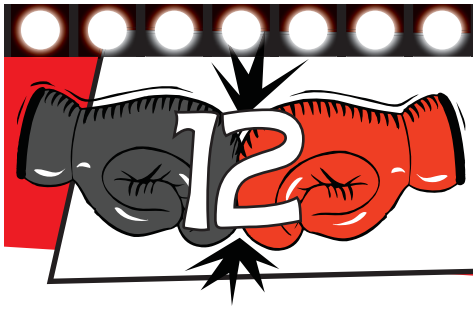

शांति–बनाम–कलह

बाइबल की कहानी : दूसरा गाल भी दिखायें

मत्ती 5:38–42

नाटक:

जब कभी मूर्ख फ्रेडी कोई निराश करने वाली या विवाद होने वाली बात करता तो बुद्धिमान विक्की विद्यार्थियों से अपने दोनों हाथों को मिलाकर जोर से और जल्दी जल्दी रगड़ने को कहता। हाथों को रगड़ने से होने वाली गर्मी ठीक हमारे मन की दशा को दिखाती है जब हम निराश या विवाद करते हैं। जब हाथ जेब या गोद पर आराम से होता है, तब यह हमें शांति देता है। बुद्धिमान विक्की कहता है कि शांति पाने के लिए, अन्य लोगों से उलझना बंद करना चाहिए!

याद करने की आयत

जहां तक हो सके, तुम अपने भरसक सब मनुष्यों के साथ मेल मिलाप रखो। रोमियों 12:18

मुख्य पाठ

जैसा कि इस महीने हम देख रहे हैं कि हमारे जीवन में शांति किस प्रकार आ सकती है, तो हम कलह के विषय को छोड़ नहीं सकते। जब लोग असहमत या विवाद करते हैं तो वहां पर कलह होता है। नये नियम की कलीसिया में झगड़े होते थे, जिस तरह से पूरी दुनिया में आज कलीसियाओं में आपस में कलह होते रहते हैं। हालांकि, परमेश्वर हमसे एक दूसरों के साथ शांति के साथ रहने को कहते हैं। ऐसा करना काफी कठिन होता है। मानवीय तौर पर, हम अक्सर झगड़े में पड़े रहते हैं और आपस में कलह होता रहता है। शायद इसका कारण यह है कि हम सबके पास अपने ठोस नजरिए होते हैं। हम जानते हैं कि परमेश्वर हमसे क्या चाहते हैं। हम अक्सर एक दूसरे पर दोष लगाते हैं, और अपने तरीके से चलने के लिए आपस में झगड़ा करते हैं। हालांकि, हमारी लड़ाई शैतान और पाप के विरूद्ध होनी चाहिए, न कि मसीह में हमारे भाइयों के साथ।

आज की बाइबल कहानी में, यीशु हमें निर्देश देता है कि हम कलह से किस तरह बच सकते हैं। यीशु कहता है कि अगर कोई हमारे एक गाल पर चांटा मारे, तो हमें दूसरा गाल भी उसकी तरफ फेर देना चाहिए! इसका अर्थ यह है कि हमें उनसे बदला नहीं लेना चाहिए जो हमें सताते हैं, पर साथ ही उनसे भविष्य में लगने वाली ठोकरों के लिए भी चिंतित रहने की आवश्यकता नहीं है! यह ठीक उसके विपरीत है जैसा कि आज हम जीते हैं, यहां तक कि हमारी मसीही कलीसिया में भी। हम अक्सर अपने आप को दूसरों के हमलों से बचाना चाहते हैं, और अगर कोई हमारे एक गाल पर चांटा मारता है, तो हम इस बात को सुनिश्चित कर लेते हैं कि ऐसा दुबारा न हो। यीशु ने हमें यह निर्देश दिया है कि यदि कोई हमें किसी बात के लिए कचहरी में लेकर जाए, तो हमें उसे ऐसा करने देना चाहिए। साथ ही, पौलुस ने हमें यही सलाह दिया है जो यीशु ने किया था। 1 कुरिन्थियों 3 में, पौलुस परिपक्वता के विषय में बातें करता है। जब हम शिशु मसीही होते हैं, तो हम परिपक्व नहीं होते। इस पद्यांश में, वह कहता है कि भाइयों के बीच झगड़े रगड़े के कारण वे अभी तक परिपक्व नहीं हो पाए हैं। बाद में 6वें अध्याय में, पौलुस कहता है कि मसीही अपने झगड़े मिटाने के लिए अन्यजातियों के पास मुकद्दमें के लिए जाते हैं। यह सबके लिए कितने शर्म की बात है! हमें तब क्या करना चाहिए जब कोई हमारा बुरा करता है? क्या होता है जब हमनें कोई भी गलत काम न किया हो, लेकिन कोई अन्य व्यक्ति दूसरों के सामने हम पर दोष या आरोप लगाता है? पौलुस हमें इसका उत्तर 1 कुरिन्थियों 6:7–8 में देता है: ''परन्तु सचमुच तुम में बडा दोष तो यह है कि आपस में मुकद्दमा करते हो। अन्याय क्यों नहीं सहते? अपनी हानि क्यों नहीं सहते? परन्तु तुम तो स्वयं अन्याय करते और हानि पहुंचाते हो, और वह भी भाइयों को।'' अगर हम आत्मिक रूप से वयस्क बनना चाहते हैं, और आत्मा के फल को हमारे जीवन में दिखाना चाहते हो, तो हमें दूसरों के साथ शांति के साथ रहना होगा। हमें आपस में एक दूसरों पर दोष लगाने, आलोचना या विवाद करने से अपने आप को रोकना होगा। जब हमारे साथ बुरा होता है, तो जैसा पौलुस कहता है, हमें उस अन्याय को सहना होगा! हमें अपने आप को बचाने की परवाह नहीं करनी है। दूसरे जब आपकी निंदा करे, धोखा दे या आपको मारे तो आप इसे सह लें। जब हम ऐसा कर पाएंगे, तो हमें शांति मिलेगी।

याद करने की आयतों का खेल

पिंग पॉंग

एक बच्चा आयत का पहला वाक्यांश बोलेगा, और फिर एक दूसरा बच्चा उसका अगला वाक्यांश कहेगा, और इस तरह से एक के बाद दूसरा कहता रहेगा। इसे जोड़े में या एक टीम में एक पंक्ति बनाते हुए, एक दूसरे के सामने खड़े रहते हुए हुए खिलाया जा सकता है।

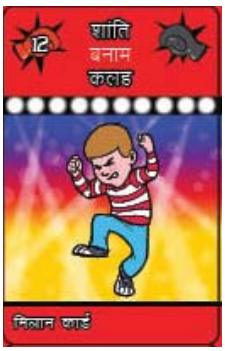

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

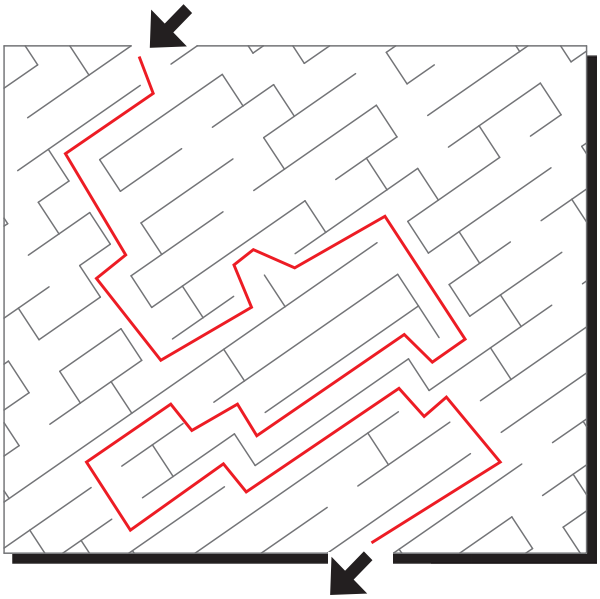

ब	च	ना	यी	ल	मू	भ	आ	क	रो	ना	ल	आ	भ	अ	न्य	
भ	क	ना	क	ल	ह	ना	त	भ	यी	है	क	प्र	मू	यी	भ	ल
यी	भ	क	ठि	रो	आ	यी	मा	भ	शु	मू	आ	चा	रो	आ	भ	नि
भ	रो	म	न	मू	ना	है	ल	नि	भ	र	क	र	ता	है	क	र्दे
रो	ल	आ	है	शु	ना	नि	मू	ल	नि	शु	ली	है	ना	रो	मू	श
ना	मू	यी	भ	रो	क	यी	आ	ना	भ	रो	सि	क	ल	नि	यी	भ
सं	भ	व	भ	ल	है	शु	है	भ	यी	मू	या	आ	शु	भ	स	भी

संभव
निर्भर करता है
अन्य
प्रचार
सभी
रोमन
नमूना

कलह
कलीसिया
कठिन
निर्देश
बचना
यीशु
आत्मा

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1 क्या हमें सबके साथ दोस्ती रखनी चाहिए? हमें सबके साथ प्रेम रखने की जरूरत है, उनके प्रति दयालु बने रहना चाहिए, और दोस्ती बनाए रखनी चाहिए। हालांकि, यदि कोई लगातार क्रूर बना रहे, तो हमें उसके दोस्त बने रहने की आवश्यकता नहीं है। हमें अपने दुश्मनों के प्रति भी प्यार को दिखाना चाहिए, लेकिन हम हमेशा उनके मित्र बनके नहीं रह सकते।

2 क्या मसीहियों को कचहरी में जाना चाहिए? यह आपके कलीसिया पर निर्भर करता है, इसलिए इसका जवाब देने से पहले अपने पास्टर से इसके बारे में पता करें। कई कलीसियाएं अपने सदस्यों के सांसारिक मामलों में हस्ताक्षेप नहीं करती। हालांकि, यह पद्यांश संकेत देती है कि जब मसीही कचहरी में जाकर झगड़ते हैं तो यह कलीसिया के लिए शर्म की बात होती है।

3 क्या मसीहियों के बीच झगडा होता है? हां, दुर्भाग्य से अधिकतर समय में। एक मसीही होने के नाते हम जितना व्यस्क बनेंगे, उतना ही हमारे जीवन से झगड़ा कम होता जाएगा।

रिंग के अंदर

इस हफ्ते अपने साथ कम से कम एक बार कुछ गलत होने दें। (अक्सर अपने आप ही ऐसा हो जाता है।) आपका गृहकार्य है कि आप कुछ भी न करें।

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

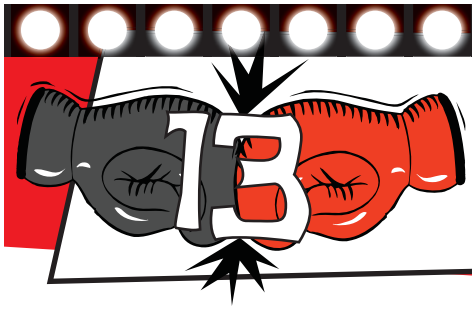

शांति–बनाम–आत्मविश्वास

बाइबल की कहानी : यीशु 5000 लोगों को खिलाता है।
लूका 9:10–17

नाटक:

आपके पास जो कुछ है उसे समर्पित करो और परमेश्वर को एक चमत्कार करने दो। बुद्धिमान विक्की और मूर्ख फ्रेडी इसे एक कागज के टुकड़ों के साथ प्रदर्शित करते हैं जिस पर इसके द्वारा चढ़ना असंभव होता है। हालांकि, जब कागज को एक खास तरीके से काटा या फाड़ा जाता है, तो यह एक बड़ा घेरा बनाता है जिस पर आसानी से चढ़ा जा सकता है। (काटने के लिए नीचे दिए गये कागजी प्रयोग को देखें)

याद करने की आयत

और उस ने मुझ से कहा, मेरा अनुग्रह तेरे लिये बहुत है; क्योंकि मेरी सामर्थ निर्बलता में सिद्ध होती है; इसलिये मैं बड़े आनन्द से अपनी निर्बलताओं पर घमण्ड करूंगा, कि मसीह की सामर्थ मुझ पर छाया करती रहे।

2 कुरिन्थियों 12:9

मुख्य पाठ

हमारे हृदय में वास्तविक शांति को हासिल करने के लिए एक तरीका यह है कि हम परमेश्वर पर पूरी तरह से भरोसा रखें। इसका अर्थ है कि अपने भोजन, कपड़ें, हमारी शादी, हमारा परिवार, हमारा स्कूल, हमारी पढ़ाई, हमारे अवसर, और हमारे पूरे जीवन से परमेश्वर पर भरोसा रखें। यह उसके विपरीत है जो दूनिया हमसे करने को कहती है। दुनिया कहती है कि हमें अपना ध्यान स्वयं रखना चाहिए और खुद पर भरोसा रखना चाहिए, जो सही भी है। हालांकि, एक समय आता है जब परमेश्वर चाहता है कि हम उस पर भरोसा रखें और खुद पर नहीं। जब हम केवल खुद पर भरोसा रखते हैं, तो हम अपनी शांति खो सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि एक बिन्दु पर, हम पर्याप्त नहीं है। हम कभी परिपूर्ण नहीं हो सकते। आज की बाइबल कहानी में, चेले एक बड़ी समस्या में पड़ जाते हैं। वे अपने आप को एक ऐसी बड़ी भीड़ के बीच पाते हैं जो भूखे थे। वे अब इस भीड़ को वापस उनके घर लौट जाने को कहने वाले थे ताकि वे कहीं जाकर खाना खाकर अपना पेट भर सके। बाइबल कहती है कि वहां पर लगभग 5000 पुरूष थे, इसलिए स्त्रियों और बच्चों को मिलाकर वहां पर लगभग 20,000 लोग मौजूद थे! यह एक बहुत बड़ी भीड़ थी जिनको भोजन खिलाना था! जब चेले इस समस्या को यीशु के पास लेकर आए, तब यीशु ने कहा, ''तुम इन्हें कुछ खाने को दो।'' एक बार फिर, यीशु अपने चेलों को कुछ असंभव काम करने के लिए कह रहे थे। जबकि, उनके पास केवल पांच रोटियां और दो मछलियां ही थी जिन्हें वे देख पा रहे थे। आप और मैं भी कई बार उन चीज़ों की ओर देखते हैं जो हमारे हाथ में हैं। हम अपनी कुशलता, प्रतिभाएं, ज्ञान, या धन की ओर देखते हैं। हम उसकी ओर देखते हैं जो हम सोचते हैं कि हम यह कैसे कर सकते हैं या अपनी क्षमता की ओर देखते हैं। परमेश्वर चाहते हैं कि हम इस बात पर भरोसा रखें कि वह हमारे लिए क्या प्रबंध कर सकता है। कई ऐसे अवसर आते हैं जब परमेश्वर हमसे कुछ चमत्कार करवाना चाहते हैं, हमारी कुशलता के बाहर। परमेश्वर उन लोगों को भी इस्तेमाल करते हैं जो निर्बल है, ताकि परमेश्वर अपनी सामर्थ को उनके द्वारा दिखा सकें। हमारे हृदय में अधिक शांति तभी मिल सकती है जब हम खुद पर भरोसा रखने की बजाय परमेश्वर पर भरोसा रखें। हमें सबकुछ अनुमान लगाने या चिंता करने की जरूरत नहीं है। परमेश्वर ने पहले से ही प्रबंध कर रखा है।

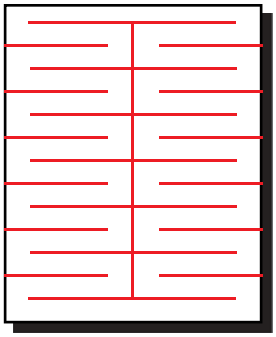

याद करने की आयतों का खेल

हॉपस्कोच

फर्श पर हॉपस्कोच नमूना बनाने के लिए मास्किंग टेप का उपयोग करें। कागज पर याद करने की आयत लिखें और उन्हें प्रत्येक हॉपस्कोच वर्ग के शीर्ष पर टेप से चिपका दें (मास्किंग टेप को कागज के छोर की ओर पूरी तरह से लगाएं ताकि बच्चों के पैर शब्दों पर न लगे)। कक्षा को हॉपस्कोच इलाके के हर तरफ पंक्ति में खड़े कराएं ताकि वे शब्दों को देख सके जब बच्चें बारी बारी से कूदते हैं। जब बच्चे प्रत्येक वर्ग में कूदते हैं, तब वे जाते हुए आयत को दोहराते जाते हैं।

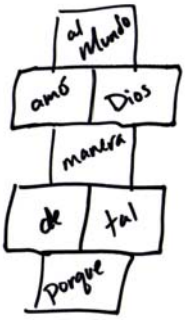

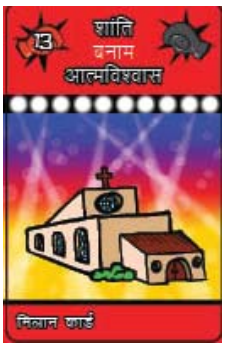

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

पहेली के जवाब

स	घ	मं	ड	क	र	ना	पौ	अ	प	नी	ब	ड़ा	ई	क	र	ना
यी	सा	ड़ा	सा	म	र्थ	नी	स	व	र्या	सा	सी	नी	स	लु	ड़ा	पौ
शु	लु	स	सी	जो	सी	पौ	लु	स	ष	ड़ा	पौ	ग्र	म	सा	ति	श
नी	पौ	सी	ति	र	लु	सा	नी	र	त	नी	ग्र	लु	सी	स	नी	ां
सि	द्ध	नी	स	सा	पौ	ड़ा	ति	स	सा	अ	नु	ग्र	ह	पौ	सी	ति

अनुग्रह
पर्याप्त
सामर्थ
सिद्ध
कमजोर
अपनी बड़ाई करना
घमंड करना
पौलुस
मसीह
शांति
अवसर
यीशु

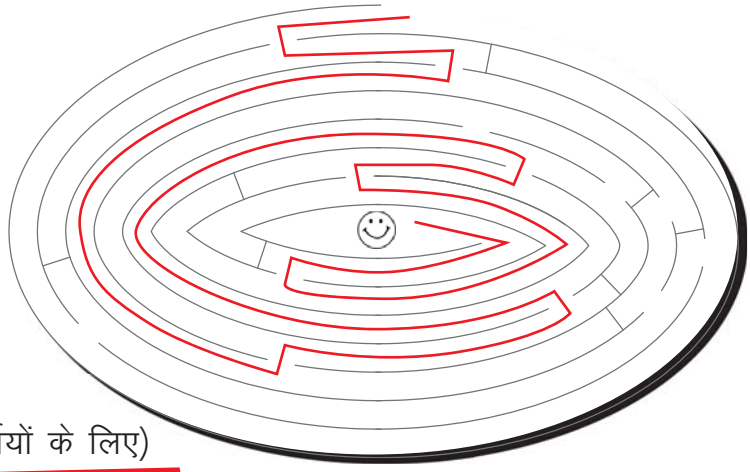

सवाल और जवाब

(बड़े विद्यार्थियों के लिए)

1 क्या आपने कभी कोई चमत्कार देखा है? अपने विद्यार्थियों को उन चमत्कारों के विषय में चर्चा करने दो जो उन्होंने देखा है चाहे बडे हो या छोटे। हो सके तो आप भी अपनी एक व्यक्तिगत गवाही दें। इन चमत्कारों में कोई अवसर, या कोई चंगाई, मनोभाव में बदलाव या परमेश्वर की ओर से कोई बचाव शामिल हो सकता है।

2 परमेश्वर हर स्थान पर एक ही समय पर कैसे हो सकते हैं? परमेश्वर हमारी तरह सीमित नहीं है। वह सब कुछ जानने वाला सर्वज्ञानी और हर स्थान पर रहने वाला सर्वव्यापी परमेश्वर है। इसका यह अर्थ हुआ कि परमेश्वर से कोई भी स्थान छिपा नहीं है। वह सबकुछ देखता है!

3 आपके पास वे कौन सी प्रतिभाएं हैं जिनसे आप परमेश्वर की सेवा कर सकते हो? अपने विद्यार्थियों को अपनी अलग अलग प्रतिभाओं और योग्ताओं के बारे में चर्चा करने दो। दूसरे बच्चों को किसी की हंसी न उड़ाने दो और जो वे बांटते हैं उस पर किसी को मजाक मत करने दो। हर विद्यार्थी को उत्साहित करते रहो।

रिंग के अंदर

परमेश्वर से मांगें कि वह आपको एक ऐसे क्षेत्र में सेवा करने का अवसर दें जहां पर आप कमजोर हो। अपनी कलीसिया में जाकर उस सेवकाई को करने के लिए अपने आप को प्रस्तुत करें। यदि आप शांत स्वभाव के हो, तो इस हफ्ते ज्यादा से ज्यादा बातें करें। यदि आप ज्यादा बातें करते हो, तो इस हफ्ते शांत रहने का प्रयास करो।

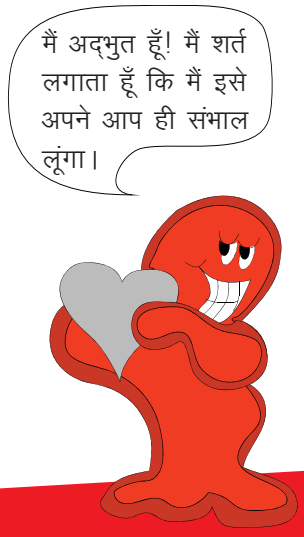

www.ChildrenAreImportant.com – Children's ministry resources, Sunday School, and Vacation Bible School (VBS) curriculum for churches and teachers. Hindi

बच्चों की सेवकाई संसाधनों के लिए आपका नया सोता:

www.ChildrenAreImportant.com/hindi/

हमारी सामग्री डाउनलोड, उपयोग, मुद्रण और अन्य चर्च और संगठनों मे वितरण के लिए मुफ्त उपलब्ध है।

कोई कॉपीराइट नहीं

जी हां!! तो आईए और जितना ज्यादा आप चाहते हो, उतना प्रिंट करें। यहां तक कि आप इसे बेच भी सकते हैं! और वे हमेशा हमारे वेबसाइट में बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध रहेंगे।

क्योंकि मिलकर काम करने के द्वारा हम ज्यादा से ज्यादा बच्चों तक पहुंच सकते हैं!

Teacher Champions
Hindi
20032

www.ChildrenAreImportant.com
info@childrenareimportant.com
We are located in Mexico.
DK Editorial Pro-Visión A.C.

बच्चें महत्वपूर्ण है